
सरकार पटेल की जयंती आज

दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सुविचार

सफलता की कुंजी कभी किसी और के हाथों में नहीं होती, यह सिर्फ आपके पास होती है।

■ भोपाल, शनिवार 31 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 135 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भाजपा नेताओं को दिया जीत का मंत्र :

उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार को कोई हिला नहीं सकता : अमित शाह

लखनऊ,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को लखनऊ के डा.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों को जीत का मंत्र देते हुए अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार अंगद के पाँव की तरह है, जिसको कोई हिला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं की नहीं, कार्यकर्ताओं की पार्टी है। यहाँ नेता भी सबसे पहले कार्यकर्ता होते हैं और भाजपा को विजय कार्यकर्ता ही दिलाता है। अमित शाह ने कहा कि सबसे लंबे समय तक चुने हुए प्रधानमंत्री बनने का विक्रम अगर किसी के नाम पर है, तो हमारे नेता मोदी के नाम पर है। उन्होंने कहा कि यूपी में फिर से एक बार प्रचंड बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने जा रही है और इसमें कार्यकर्ताओं को किसी दुविधा में रहने की आवश्यकता नहीं है। शाह ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि उन्हें अर्जुन की तरह सिर्फ चिढ़िया की आँख दिखाई पड़नी चाहिए, क्योंकि अब समय तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने का है। गृह मंत्री ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आज ही के दिन 1990 में सपा सरकार ने राम भक्तों पर गोलियाँ चलाकर कारसेवकों को सरयू में बहा दिया था,यूपी की जनता इसके लिए सपा को कभी माफ नहीं करेगी।

अगले 30 साल देशभर में भाजपा की सरकार चुनकर आने वाली : शाह

लखनऊ। इस दौरान उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगले 30 साल देशभर में भारतीय जनता पार्टी की सरकार चुनकर आने वाली हैं। पंकज चौधरी ने चुनावी रणनीति का खाका पेश करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर मुख्य मुकाबला सिर्फ भाजपा से ही है। विपक्ष के जातिगत



समीकरणों और नैरेटिव पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि विरोधी दल समाज को जातियों और उप-जातियों में विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता विकास और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के पक्ष में एकजुट है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2022 के चुनाव में भाजपा ने अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर विजय हासिल की थी और इस बार कार्यकर्ताओं का लक्ष्य 2017 से भी बड़ी जीत हासिल करने का है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों और जनप्रतिनिधियों को जहां कम,वहां हम के मूलमंत्र के साथ हर बूथ पर जाकर सक्रिय होने, मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने तथा जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए कहा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा,प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह,प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक,प्रदेश सह-प्रभारी जगदीश पटेल,राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईशनी,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह,भूपेंद्र चौधरी, महेंद्र पांडेय, सूर्य प्रताप शाही,डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, विनय कटियार, मेधा कुलकर्णी,अनंत ओझा, प्रदीप वर्मा सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। वंदे मातरम के पूर्ण सामूहिक गान के साथ बैठक प्रारंभ हुआ। यूपी भाजपा की नई प्रदेश कार्यसमिति गठित होने के बाद यह पहली कार्यसमिति बैठक थी।

5 से 20 नवंबर तक एनसीआर में निर्माण गतिविधियों पर लगेगी रोक : भूपेंद्र यादव

केंद्रीय मंत्री ने कहा प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाइ

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के नवनिर्मित एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर 'पवन-द्रुउसी' का दौरा कर वायु प्रदूषण नियंत्रण की तैयारियों और निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदूषण से निपटने के लिए अब केवल प्रतिक्रिया देने के बजाय उसकी पहले से पहचान कर वास्तविक समय में कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में 5 से 20 नवंबर तक निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियां बंद रखी जाएंगी। मंत्री ने कहा कि क्षेत्रीय वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सबसे जरूरी है कि सटीक, स्थानीय स्तर का डेटा उपलब्ध हो और पूरी व्यवस्था पारदर्शी रहे। 'पवन-द्रुउसी' इस दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। इससे विभिन्न एजेंसियों के बीच डेटा के बंटवारे की समस्या दूर होगी और प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों की पहचान कर कुछ ही मिनटों में कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ हवा सुनिश्चित करना किसी एक एजेंसी या राज्य की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों को मिलकर काम करना होगा। नए कमांड सेंटर के माध्यम से खेतों में पराली जलाने,उद्योगों से निकलने वाले प्रदूषण और बिना ढके निर्माण स्थलों जैसी गतिविधियों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि निगरानी प्रणाली से मिलने वाले अलर्ट पर बिना देरी के कार्रवाई सुनिश्चित करें। भूपेंद्र यादव ने कहा कि निर्धारित मानकों, वैधानिक निर्देशों या अनुपालन संबंधी शर्तों का उल्लंघन होने पर यह प्रणाली संबंधित एजेंसी को अलर्ट भेजेगी। इससे प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों, नियमों का पालन नहीं करने वाले स्रोतों और यातायात जाम वाले संवेदनशील क्षेत्रों के खिलाफ तेजी से कार्रवाई की जा सकेगी।

पंजाब में और जहरीली हुई हवा,पराली जलाने के 1,007 मामले दर्ज

पटियाला। पंजाब में धान की कटाई के बीच पराली जलाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने बताया कि 29 अक्टूबर तक राज्य में पराली जलाने की कुल 1,007 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले तरनतारन जिले से सामने आए हैं, जिसके बाद अमृतसर और फिरोजपुर का नंबर आता है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 29 अक्टूबर तक की जिला-वार रिपोर्ट के मुताबिक,तरनतारन में राज्य के कुल मामलों का लगभग 39 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया है। वहीं,अमृतसर और फिरोजपुर को मिलाकर इन तीन जिलों में ही कुल 672 घटनाएं सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार,राज्य में पराली जलाने की कुल 1,007 घटनाओं में से तरनतारन जिले में सबसे अधिक 397 मामले सामने आए हैं। इसके बाद अमृतसर में 171 और फिरोजपुर में 104 मामले दर्ज किए गए हैं। पीपीसीबी ने बताया कि गुरदासपुर में 72 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद कपूरथला में 63, बठिंडा में 31,फाजिल्का में 28,जालंधर में 22 और फरीदकोट में 21 घटनाएं सामने आईं। पटियाला और होशियारपुर में क्रमशः 16 और 12 मामले दर्ज किए गए। संगरूर में भी 12 घटनाएं सामने आईं,जबकि फतेहगढ़ साहिब में 11 मामले दर्ज हुए। मुक्तसर में 9 मामले सामने आए,और मोगा,बरनाला और एसएएस नगर में 7-7 घटनाएं दर्ज की गईं।

मॉक पार्लियामेंट स्थगित होना विपक्षी एकता की खोलता है पोल: संबित पात्रा

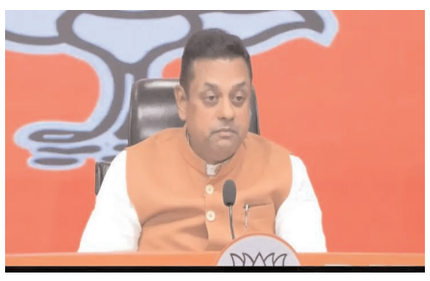

जन महाभियोग कार्यक्रम रद्द करने पर भाजपा ने साधा कांग्रेस पर निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दलों में एकता और संगठनात्मक समन्वय का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि राहुल गांधी को अपनी मॉक पार्लियामेंट स्थगित करनी पड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और विपक्षी दल लोकतंत्र के नाम पर देश की संवैधानिक संस्थाओं का अपमान कर रहे हैं और जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं लोकसभा सदस्य डॉ.संबित पात्रा ने शुक्रवार को अपने आवास पर मीडिया से कहा कि विपक्षी नेताओं ने एक बार फिर एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को लेकर गलत बयान दिए हैं। राहुल गांधी का आरोप है कि सरकार दिल्ली के बाहर से आने वाले लोगों को रैली में शामिल होने से रोक रही है। राहुल को इस आरोप के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि किस व्यक्ति को,किस सड़क या किस स्थान पर रोका गया है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में लोग मोबाइल फोन से घटनाओं की रिकॉर्डिंग करते हैं। यदि वास्तव में लोगों को रोका जा रहा होता या सड़कें बंद की गई होतीं,तो राहुल को इसके वीडियो सामने रखने चाहिए थे। बिना किसी प्रमाण के इस तरह के आरोप लगाना देश में भ्रम का वातावरण बनाने जैसा है। उन्होंने राहुल से झूठ और भ्रम फैलाना बंद करने की अपील की। भाजपा प्रवक्ता ने विपक्षी गठबंधन को परिवारवादी दलों का समूह बताते हुए कहा कि चुनाव से पहले ये पार्टियां एक-दूसरे का हाथ पकड़कर एकजुटता प्रदर्शित करती हैं,लेकिन उनके बीच दिल से कोई तालमेल नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013, 2018-19 और 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले भी विपक्षी नेताओं की एकजुटता की ऐसी तस्वीरें सामने आई थीं। उत्तर प्रदेश के चुनावों के दौरान भी इस तरह के राजनीतिक प्रदर्शन देखने को मिले हैं। डॉ.पात्रा ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्षी नेता हाथ पकड़कर तस्वीरें तो खिंचवा लेते हैं, लेकिन उनके मन में एक-दूसरे को लेकर अविश्वास बना रहता है। सभी दलों की चिंता इस बात को लेकर है कि चुनाव में किसे कितनी सीटें मिलेंगी। केवल एकजुटता की तस्वीरों से राजनीतिक सफलता नहीं मिलती। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनावों में सीटों के बंटवारे को लेकर विपक्षी दलों के बीच टकराव होना तय है।

अनंत सिंह को सरेंडर करने का निर्देश,फिर काटनी होगी जेल की सजा

नई दिल्ली। दुलारचंद यादव हत्याकांड में मोकामा के विधायक अनंत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने पटना हाईकोर्ट की ओर से दी गई जमानत पर रोक लगाते हुए अनंत सिंह को 1 दिसंबर तक सरेंडर करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अपनी बेटी की शादी का हवाला देते हुए तत्काल सरेंडर से राहत देने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार नहीं की। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हत्या जैसे गंभीर आपराधिक मामले को केवल राजनीतिक विवाद के तौर पर नहीं देखा जा सकता। अदालत ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और मुकदमे की सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। शीर्ष अदालत ने पुलिस को चार महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश भी दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अनंत सिंह को निर्धारित समयसीमा के भीतर सरेंडर करना होगा। पटना हाईकोर्ट से मिली जमानत पर रोक लगने के बाद उनकी कानूनी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

चमोली हेलीकॉप्टर हादसे में पायलट समेत सभी छह लोगों की मौत



उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम से देहरादून के सहस्रधारा लौट रहा था हेलीकॉप्टर

ज्योतिर्मठ,(एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले में शुक्रवार को बदरीनाथ धाम से देहरादून के सहस्त्रधारा लौट रहा ट्रांस भारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट समेत उसमें सवार सभी छह लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर ज्योतिर्मठ तहसील के चाई गांव के ऊपर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। सेना की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर सभी छह लोगों की मृत्यु की पुष्टि की। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी की ओर से शुक्रवार शाम 5.30 बजे जारी प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, हेलीकॉप्टर ने बदरीनाथ धाम से देहरादून स्थित सहस्त्रधारा हेलीपैड के लिए दोपहर करीब 1.12 बजे उड़ान भरी थी। इसके बाद करीब दो बजे ज्योतिर्मठ तहसील के चाई गांव के ऊपर पहाड़ी क्षेत्र में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने हेलीकॉप्टर में पायलट समेत सवार सभी छह लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु होने की पुष्टि की। हादसे की सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन, सेना, पुलिस, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीमें सक्रिय रवाना हुई थीं। सेना की नौवीं स्वतंत्र माउंटेन ब्रिगेड के अधिकारियों से प्रशासन की ओर से जारी मृतकों की सूची के अनुसार, हादसे में पायलट हिमांशु सभरवाल के अलावा यात्री अरुण सालुंके, एचएस नटराज, प्रताप बच्चिहल्ली निंगराजन, सुधीर के. और शंकरगौड़ा वीबी की मौत हुई है। पांचों यात्रियों को कर्नाटक का निवासी बताया गया है। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूसीएडीए) के अनुसार, हेलीकॉप्टर का कॉल साइन वीटी-एचसीएक्स था। उसने बदरीनाथ से सहस्त्रधारा के लिए उड़ान भरी थी। जोशीमठ घाटी के ऊपर उड़ान के दौरान उसका संपर्क टूट गया और ट्रैकिंग सिस्टम भी उसकी स्थिति का पता नहीं लगा पाया। सूचना मिलते ही भारतीय सेना, चमोली जिला प्रशासन और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की टीमें खोज एवं बचाव अभियान के लिए रवाना की गईं। एहतियात के तौर पर यूसीएडीए ने ट्रांस भारत एविएशन के सभी हेलीकॉप्टरों की उड़ानों पर रोक लगा दी थी।

हमारी बेटियां सुरक्षित वातावरण में,सरकार ने बदली परिस्थिति : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर कहा है कि आज बाजार रात में भी खुले रहते हैं। व्यापारियों को व्यवसाय के विस्तार के नए अवसर मिल रहे हैं और हमारी बेटियां सुरक्षित वातावरण में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने इस परिस्थिति को बदला। यूपी की कानून-व्यवस्था पर सीएम योगी बोले- हमारी बेटियां सुरक्षित वातावरण में, डबल इंजन सरकार ने बदली परिस्थिति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, आज नए उत्तर प्रदेश में रात्रि के समय जगमगाते बाजारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की रोशनी केवल व्यापार की नहीं, बल्कि व्यापारी के विश्वास का प्रकाश है। नाइट शिफ्ट में अपने कार्यस्थल पर निर्भय होकर दायित्व निभाती हमारी मातृशक्ति का आत्मविश्वास केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे समाज की प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने पिछली सरकार पर भी निशाना साधा। सीएम योगी ने कहा, किंतु सुरक्षा और विश्वास का यह वातावरण उत्तर प्रदेश में सदैव नहीं था। वर्ष 2017 से पहले अपराध और असुरक्षा के कारण सूर्यास्त के साथ व्यापारिक गतिविधियां सीमित होने लगती थीं। देर रात तक कार्य करने वाली महिलाओं की सुरक्षा को लेकर परिवारों में चिंता बनी रहती थी।

रैलियों से जनता अराजकता फैलाने वाली ताकतों को जवाब दे रही है : डॉ. मांडविया



इंदौर,(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर में शुक्रवार को भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ,अराजकता हटाओ' पदयात्रा में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उपस्थित लोगों को संविधान, विधि के शासन और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा की रक्षा करने की शपथ दिलायी। इसमें कहा गया कि जनादेश का अपमान करने और देश में अराजकता फैलाने वाली साजिशों का विरोध किया जाएगा। युवा पीढ़ी को भ्रम और भटकाव से बचाकर सही दिशा देने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प भी दिलाया गया। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया,प्रदेश सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा के प्रदेश प्रभारी विप्लब देव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता यात्रा में शामिल हुए। इंदौर शहर के सुभाष नगर चौराहे से शुरू होकर पाटनीपुरा चौराहे पर समाप्त हुई इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ साधु-संत और किन्नर समाज के लोग भी पहुंचे। कार्यक्रम में जहां भाजपा नेताओं ने संविधान, लोकतंत्र और जनादेश की रक्षा का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के दौरान 'लोकतंत्र बचाएंगे, अराजकता हटाएंगे' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए गए। भाजपा ने इस आयोजन को लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे विकास कार्यों के समर्थन में जनभागीदारी का प्रदर्शन बताया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त खण्डेलवाल ने कहा,अराजकता के विरोध में इंदौर में उमड़ा विराट जनसमूह पूरे देश को यह संदेश दे रहा है कि लोकतंत्र में अराजकता और अव्यवस्था के लिए कोई स्थान नहीं है। इंदौर का जनसैलाब लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जनमानस की प्रतिबद्धता और जागरूकता का सशक्त प्रमाण है। कांग्रेस द्वारा अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए लगातार भ्रम फैलाने और जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन देश और प्रदेश की जागरूक जनता अब ऐसी भ्रामक राजनीति और अराजकता फैलाने वाली प्रवृत्तियों को भली-भांति समझ चुकी है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार सभी को है, किंतु उसकी आड़ में जनजीवन बाधित करना और सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। इस दौरान भाजपा के प्रदेश प्रभारी विप्लब देव ने अपने संबोधन में घुसपैठियों और अवैध रूप से रह रहे लोगों को लेकर सख्त रुख अपनाया।

सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के समर्थन में भाजपा निकालेगी विरोध मार्च

नई दिल्ली। 1984 के सिख दंगों से प्रभावित परिवारों, समाज और विभिन्न संस्थाओं के समर्थन में भारतीय जनता पार्टी 1 नवंबर को पश्चिमी दिल्ली के सिख बहुल क्षेत्र हरिनगर में सांकेतिक विरोध मार्च निकालेगी। इसमें हजारों सिख नागरिकों के साथ भाजपा कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस विरोध मार्च का नेतृत्व केंद्रीय मंत्री सरदार हरदीप सिंह पुरी करेंगे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने शुक्रवार को बताया कि 31 अक्टूबर से 3 नवंबर 1984 तक का समय भारतीय इतिहास में विशेष रूप से सिख समाज के लिए बेहद दुखद और पीड़ादायक रहा है। इन दिनों के दौरान दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हजारों निर्दोष सिखों की हत्या की गई, उनके घरों और दुकानों को लूटा गया तथा आग के हवाले कर दिया गया।

दिल्ली चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने अब सोनिया गांधी को लिखा पत्र

0 10 हजार करोड़ के कारोबार पर संकट,रैली दीपावली बाद करने की मांग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस की 1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित 10 लाख लोगों की महारैली को लेकर दिल्ली के व्यापारियों के संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर मांग की है कि इस रैली को दीपावली के बाद 10 या 11 नवंबर के बाद कर दिया जाए। सीटीआई ने कहा है कि राहुल गांधी को पहले ही 3 पत्र लिखकर निवेदन किया जा चुका है, लेकिन बात नहीं बनी। अब अंतिम उम्मीद सोनिया गांधी से है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा, हम रैली का विरोध नहीं कर रहे हैं, हम दीपावली के पीक सीजन में अपनी रोजी-रोटी बचाने के लिए हाथ जोड़कर विनती कर रहे हैं। 6 नवंबर को धनतेरस है और 8 नवंबर को दीपावली है,1 नवंबर उसकी तैयारी का सबसे पीक दिन है। अगर 1 नवंबर को 10 लाख लोग



और 15 से 20 हजार वाहन मध्य दिल्ली में आए तो 20 ऐतिहासिक बाजारों में रोजाना होने वाला 10 से 12 हजार करोड़ का कारोबार ठप्प हो जाएगा। सीटीआई ने पत्र में 4 बड़े संकटों का जिक्र किया है। सीटीआई ने पत्र में लिखा है कि रामलीला मैदान में 200 बड़ी बसों की भी पार्किंग नहीं है। 10 लाख लोगों को लाने के लिए 15,000 से 20,000 बसों, कारों और टेंपो की जरूरत पड़ेगी। ये सभी वाहन जेएलएन मार्ग, बहादुर शाह जफर मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग, अजमेरी गेट, चांदनी चौक रोड और बड़े बाजारों के आसपास खड़े होंगे, तब भी जगह कम पड़ जाएगी। इससे सेंट्रल दिल्ली और पुरानी दिल्ली में चक्का जाम और लॉकडाउन जैसे हालात बन सकते हैं। सीटीआई के मुताबिक, रामलीला मैदान के 5 किलोमीटर के दायरे में 20 बड़े थोक और रिटेल बाजार आते हैं, जो 300 साल पुराने हैं और पूरे भारत को माल सप्लाई करते हैं। इनमें चांदनी चौक,सदर बाजार,कनॉट प्लेस, पालिका बाजार,जनपथ, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, कश्मीरी गेट, नया बाजार, लाजपत राय मार्केट,चावड़ी बाजार, किनारी बाजार, दरीबा कलां, बल्लीमारान, फतेहपुरी, तिलक बाजार, करोल बाग, जामा मस्जिद, नबी करीम, गफ्फार मार्केट,अजमेरी गेट-पहाड़गंज और दरियागंज शामिल हैं। इन बाजारों में रोजाना नरेला,बवाना,ओखला, मायापुरी, मुंडका, उद्योग नगर, मंगोलपुरी समेत 56 इंडस्ट्रियल एरिया से 5,000 ट्रक-टेंपो माल लाते हैं और यहाँ से 3,000 ट्रक रोजाना गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद,सोनीपत, पानीपत समेत एनसीआर के 25 शहरों और देशभर के सभी राज्यों में माल ले जाते हैं।

राष्ट्रपति ने ओडिशा चक्रवात अर्नब के बाद के हालात की जानकारी ली

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से फोन पर बात कर तूफानी चक्रवात अर्नब के बाद राज्य में उत्पन्न स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने चक्रवात और उसके बाद आई बाढ़ से प्रभावित लोगों तथा विस्थापितों के कुशलक्षेम के बारे में भी पूछा। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि राष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री माझी से राज्य के हालात पर चर्चा की। उन्होंने चक्रवात के बाद प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की स्थिति और विस्थापित नागरिकों के कल्याण के बारे में जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि चक्रवात अर्नब के प्रभाव से ओडिशा के कई दक्षिणी जिलों में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति पैदा हुई है। इससे जनजीवन प्रभावित हुआ है और कई इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा है।

सरकार ने हमेशा किसानों को सशक्त करने का काम किया है : प्रधानमंत्री

बनासकांठा,(एजेंसी)। गुजरात के बनासकांठा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने अहमदाबाद (साबरमती)-वाराणसी एक्सप्रेस और मेहसाणा-बेचराजी-साबरमती मेमू ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित किया। संबोधन की शुरुआत में पीएम मोदी ने कहा कि आज टेक्नोलॉजी से देश और गुजरात का हर किसान जुड़ा हुआ है। उन्होंने कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों का स्वागत किया। सभा के माहौल का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश के लोगों के लिए यह भी अजूबा होगा कि सभा में सारे लोग चौपाइयों पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि अगर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को बताया होता तो आज जरूर इसका रिकॉर्ड बन



जाता। पीएम मोदी ने कहा कि नवरात्र के कुछ ही दिन बाद मां अंबा की पावन धरती पर आने का अवसर मिला है। मैं मां अंबा को प्रणाम करता हूं। उन्होंने बताया कि आज ही पीएम किसान सम्मान निधि की नई किस्त किसानों के खाते में पहुंची है और उन्होंने देश के किसानों को इसके लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे किसान विकसित भारत के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक हैं। हमारी सरकार ने हमेशा किसानों को सशक्त करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि किसानों का बजट 5 गुना से अधिक हो गया है। आज करीब 10 करोड़ किसानों के खाते में 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी गई है। गुजरात के 50 लाख से अधिक किसानों को भी इसका लाभ मिला है, उनके खाते में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक जमा हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में सरकार की नीतियों की वजह से 50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा किसानों को मिले हैं। उन्होंने इसके लिए 5 योजनाओं का उदाहरण दिया। पहली योजना पीएम किसान सम्मान निधि है, जिसके तहत करीब 4.5 लाख करोड़ रुपये सीधे छोटे किसानों के बैंक खातों में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कभी इन छोटे किसानों की जरूरतों को नहीं समझा गया था, जबकि देश में छोटे किसानों की संख्या 85 प्रतिशत से ज्यादा है। ऐसे छोटे किसानों की चिंता हमारी सरकार ने की और पीएम किसान निधि से मदद पहुंचाई। दूसरी बड़ी बात खाद को लेकर कही। उन्होंने कहा कि बीते सालों में वैश्विक अनिश्चितता के बीच खाद की कीमतों में बहुत उछाल आया है, लेकिन किसानों को समर्पित हमारी सरकार ने इसका बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया। सरकार ने इस पर करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। तीसरी बात एमएसपी को लेकर थी। पीएम मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें एमएसपी को लेकर किसानों को धोखा ही दे रही थीं, लेकिन हमारी सरकार है जिसने एमएसपी का वादा पूरा किया है। पिछले 12 वर्षों में गेहूं और धान के किसानों के लिए एमएसपी के रूप में 24 लाख करोड़ रुपये खाते में गए हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

700 कारतूस और दो पिस्टल के मामले में

पुलिस की कार्रवाई तेज, यूपी और उज्जैन से दो आरोपी गिरफ्तार



मंदसौर। जिले के भानपुरा थाना क्षेत्र में दो पिस्टल और 700 जिंदा कारतूस की बरामदगी से जुड़े मामले में मंदसौर पुलिस ने कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश के मैनपुरी और उज्जैन जिले से दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक आरोपी को मैनपुरी से, जबकि दूसरे को नागदा से पकड़ा है। इस कार्रवाई के साथ ही अवैध हथियारों की आपूर्ति से जुड़े नेटवर्क की कड़ियां खंगालने में पुलिस जुटी है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ रामसनेही मिश्रा और एसडीओपी गरोठ विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन में भानपुरा थाना प्रभारी उप निरीक्षक विनय बुंदेला तथा भैसोदामंडी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धर्मेश यादव की टीम ने यह कार्रवाई की। प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी फरमान खान से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने दो टीमें गठित की थीं। एक टीम ने उत्तर प्रदेश के आगरा, फतेहपुर सीकरी और मैनपुरी में तलाश करते हुए तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर दीपक उर्फ दीपू (41), निवासी कोतवाली थाना क्षेत्र, मैनपुरी को गिरफ्तार किया। वहीं दूसरी टीम ने उज्जैन जिले के महिदपुर क्षेत्र में तलाश के बाद नागदा निवासी जुबेर (30), निवासी ईदगाह मस्जिद के पास, को गिरफ्तार किया। जुबेर पर प्रकरण में दो पिस्टल उपलब्ध कराने का आरोप है। पुलिस के अनुसार मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर अवैध हथियारों की आपूर्ति से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। कार्रवाई में भानपुरा थाना प्रभारी विनय बुंदेला, भैसोदामंडी चौकी प्रभारी धर्मेश यादव सहित पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

दीपावली पर पटाखा दुकानों की सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की नजर, विक्रेताओं को दिए निर्देश



मंदसौर। दीपावली पर्व के दौरान किसी भी तरह की दुर्घटना से बचाव के लिए जिले की नाहरगढ़ पुलिस ने पटाखा विक्रेताओं को सुरक्षा नियमों का पालन करने की हिदायत दी है। इसी कड़ी में थाना प्रभारी वरुण तिवारी ने थाना परिसर में क्षेत्र के पटाखा विक्रेताओं की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में थाना प्रभारी ने कहा कि पटाखों का विक्रय केवल लाइसेंस प्राप्त दुकानों पर ही किया जाए। दुकानों में आग से बचाव के लिए रेत और पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। इसके अलावा ज्वलनशील सामग्री के आसपास बीड़ी-सिगरेट का सेवन नहीं करने तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पटाखों का भंडारण नहीं करने की समझाइश दी गई। थाना प्रभारी ने सभी विक्रेताओं से सुरक्षा मानकों का गंभीरता से पालन करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के खाते में अंतरित की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की राशि

हरदा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा से पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं ?िस्त की राशि किसानों के खाते में ऑनलाइन अंतरित की। हरदा में जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा, अपर कलेक्टर श्रीमती अनुपमा चौहान, पशु पालन विभाग के उप संचालक डॉ. अजय रामटेके सहित अधिकारी कर्मचारी एवं किसान उपस्थित थे। इस दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से बनासकांठा में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी देखा गया।तहसीलदार भू-संसाधन प्रबन्धन श्री एस.के. मडण्लोई ने बताया कि हरदा जिले के 58845 किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत दो-दो हजार रुपये की राशि ट्रांसफर की गई। इनमें हरदा तहसील के 10811, खिरकिया तहसील के 9308, टिमरनी तहसील के 9283, रहटगांव तहसील के 11739, सिराली तहसील के 9858 और हंडिया तहसील के 7846 किसान शामिल हैं।

मक्का, सोया किसानों के हित में अवकाश में भी खुलेंगी मंडी

हरदा। राज्य सरकार सोयाबीन और मक्का उत्पादन किसानों के लिए हितों की संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सोया और मक्का उत्पादन किसानों की सुविधा के लिए अवकाश के दिनों में भी खरीदी के लिए मंडियाँ खुली रखने का निर्णय लिया गया है। किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंडी बोर्ड के सभी संयुक्त संचालक को निर्देश दिए गए है कि वे अवकाश के दिनों में भी किसानों के लिए मंडी खुली रखें। वर्तमान में प्रदेश की मंडियों में अधिसूचित कृषि उपज की आवक अधिक मात्रा में हो रही है। इस अवधि में कृषकों को अपनी कृषि उपज का शीघ्र विक्रय कर उसकी राशि प्राप्त करने की आवश्यकता रहती है। ऐसी स्थिति में मंडियों में अवकाश रहने से कृषकों को अपनी उपज के विक्रय के लिये आगामी कार्य दिवस तक प्रतीक्षा करनती प? सकती है, जिससे न केवल कृषि उपज के विक्रय में विलंब होगा, बल्कि कृषकों को आर्थिक एवं व्यावहारिक असुविधा का सामना भी करना पढ़ेगा।

सांदीपनी स्कूल में विद्यार्थियों के बीच बैठे कलेक्टर देखी अध्यापन व्यवस्था विद्यार्थियों को दिया केरियर मार्गदर्शन

शिक्षकों को अध्यापन के लिये प्रशिक्षित करने के निर्देश

हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को जिले के खिरकिया स्थित शासकीय सांदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुँचकर वहां शैक्षणिक व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान वे कक्षा 7 वीं की अंग्रेजी की कक्षा में विद्यार्थियों के बीच बैठे और शैक्षणिक व्यवस्था का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि स्कूलों में गुणात्मक शिक्षा पर जोर दिया जाए। साथ ही सांदीपनी स्कूल के शिक्षकों को बेहतरीन पढ़ाई के लिये उन्मुखीकरण प्रशिक्षण दिया जाए। स्कूल में कक्षा 7 वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी लक्ष्य के



साथ बैठकर कलेक्टर श्री सत्यम ने उसकी पढ़ाई की जानकारी ली। कक्षा में उन्होने विद्यार्थियों से अंग्रेजी के पाठ भी पढ़वाए। इस दौरान उन्होने विद्यार्थियों को केरियर मार्गदर्शन दिया। कक्षा में अंग्रेजी विषय का शैक्षणिक कार्य कर रही शिक्षिका सुश्री सरिता सोलंकी को अंग्रेजी माध्यम से ही विद्यार्थियों की पढ़ाई कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने इस दौरान स्कूल की अन्य कक्षाओं एवं व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। बिना अनुमति के अनुपस्थित शिक्षक का कटेगा एक दिन का वेतन निरीक्षण के दौरान स्कूल से बिना अनुमति के जन विश्वास शिविर में गये शिक्षक श्री अंकित अवस्थी का कलेक्टर द्वारा एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गये। जनपद पंचायत के सीईओ द्वारा स्कूल में बिना सूचना दिये शिक्षक को शिविर में पहुँचने के निर्देश दिये जाने पर जनपद सीईओ का भी एक दिन का वेतन काटने के निर्देश कलेक्टर ने दिये गये। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरोत्तम भार्गव, एसडीएम सुश्री रजनी वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री डी.एस. रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

'जागृति' के दिव्य प्रकाश और एकत्व के संदेश से आलोकित हुआ 79वाँ वार्षिक निरंकारी संत समागम

देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हुए शामिल, भोपाल जोन से हजारों भक्तों ने की सहभागिता



भोपाल। आध्यात्मिक जागृति, प्रेम, भक्ति और मानव एकत्व के दिव्य संदेश से ओतप्रोत 79वाँ वार्षिक निरंकारी संत समागम 23 से 26 अक्टूबर तक समालखा (हरियाणा) स्थित निरंकारी आध्यात्मिक स्थल पर श्रद्धा एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ आयोजित हुआ। परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में संपन्न इस चार दिवसीय समागम में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं सहित भोपाल जोन से हजारों भक्तों ने सहभागिता कर सतगुरु के दिव्य दर्शन एवं पावन संदेशों का लाभ प्राप्त किया। इस वर्ष समागम का केंद्रीय विषय 'जागृति' रहा। प्रथम दिवस 'मानवता के नाम संदेश' में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने प्रेरित करते हुए फरमाया कि वास्तविक जागृति तभी आती है, जब मनुष्य प्रत्येक पल परमात्मा की उपस्थिति का एहसास करते हुए आध्यात्मिकता को अपने जीवन में धारण करता है। ब्रह्मज्ञान जागृति का अंतिम पढ़ाव नहीं, बल्कि उसकी शुरुआत है। सत्संग से प्राप्त शिक्षाओं को अपने व्यवहार में अपनाना, प्रेम एवं विनम्रता से जीवन जीना तथा अहंकार और निंदा से दूर रहना ही सच्ची आध्यात्मिकता की पहचान है। समागम के प्रथम दिवस 'मानवता के नाम संदेश' कार्यक्रम से पूर्व विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें देशभर से आए पत्रकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने सहभागिता की तथा समागम की आध्यात्मिक विचारधारा, उद्देश्यों और जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। दूसरे दिन भव्य सेवादल रैली का आयोजन हुआ, जिसमें देश-विदेश से आए हजारों सेवादल भाई-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शारीरिक व्यायाम, खेलकूद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं लघु नाटिकाओं के माध्यम से अनुशासन, सहयोग और नि:स्वार्थ सेवा की भावना को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर मिशन के शांति एवं एकत्व के प्रतीक श्वेत ध्वज का ध्वजारोहण भी किया गया। सेवादल को आशीर्वाद देते हुए सतगुरु माता जी ने संदेश दिया कि सेवा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग है। सच्चा सेवादार वही है, जो निरंकार को हृदय में बसाकर हर परिस्थिति में मानवता के कल्याण के लिए तत्पर रहे। इसी दिन सतगुरु माता जी ने जागृति के वास्तविक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा कि जागरूकता केवल बाहरी सजगता तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों, भावनाओं और व्यवहार में भी चेतना आवश्यक है। इससे पूर्व निरंकारी राजपिता रमित जी ने दृष्टिहीन व्यक्ति और लालटेन के उदाहरण से समझाया कि केवल बाहरी स्वरूप अपनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि जीवन में ब्रह्मज्ञान, प्रेम और समर्पण का प्रकाश निरंतर जागृत रहना चाहिए।

लोकतंत्र जनादेश से चलेगा, अराजकता के दबाव से नहीं

डॉ. मोहन यादव

लोकतंत्र में सत्ता की चाबी जनता के हाथ में होती है। मतदान केंद्र पर खड़ा सामान्य नागरिक अपने एक मत से सरकार



बनाता है, उसके काम का मूल्यांकन करता है और भविष्य की दिशा तय करता है। उसकी यह शक्ति किसी राजनीतिक दल की देन नहीं है। यह हमारे संविधान की व्यवस्था है, जिसकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। इसीलिए लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले प्रत्येक राजनीतिक दल से जनता को यह अपेक्षा करने का अधिकार है कि वह अपने व्यवहार में भी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करे। लोकतंत्र के प्रति निष्ठा की परीक्षा सत्ता में रहते हुए भी होती है और विपक्ष में बैठकर भी। जनादेश का सम्मान सुविधा के अनुसार नहीं हो सकता। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में जीत का उत्सव और हार का आत्म-मंथन, दोनों आवश्यक हैं। जनता के निर्णय से असहमति हो सकती है, लेकिन उसके विवेक का अनादर लोकतांत्रिक राजनीति को कमजोर करता है। राजनीतिक दलों को जनता का विश्वास अपने कार्य, विचार और आचरण से अर्जित करना चाहिए। विरोध की राजनीति में जनता का हित नहीं होता। एक सशक्त विपक्ष लोकतंत्र की आवश्यकता है। सरकार से कठिन प्रश्न पूछना, नीतियों की कमियाँ उजागर करना और बेहतर विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह प्रश्नों का उत्तर दे और उचित सुझावों को स्वीकार करे। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श का केंद्र समाधान के स्थान पर निरंतर भय, अविश्वास और टकराव बनने लगे, तब उसका मूल्यांकन भी होना चाहिए। आज विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक बहस हो रही है। इस बहस का केंद्र प्रत्येक पात्र नागरिक का अधिकार और मतदाता सूची की विश्वसनीयता होना चाहिए। एक सही मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है। उसमें नए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़ें, गलत विवरण सुधरें और मृत अथवा दोहरी प्रविष्टियों का निराकरण निर्धारित प्रक्रिया से हो। साथ ही, किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने पर उसे सुधार का प्रभावी अवसर मिले। जनता के नाम पर राजनीति करने वालों को जनता की सुविधा और सुरक्षा के प्रति भी जवाबदेह होना होगा। हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट होना चाहिए, शांतिपूर्ण विरोध को सम्मान मिले और हिंसा पर निष्पक्ष, विधिसम्मत कार्रवाई हो। मतदाता सूची पर बहस हो, लेकिन मतदाता के मन में भ्रम नहीं फैलाया जाना चाहिए। मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में जिस प्रकार से विपक्ष के लोगों ने देश में अराजकता फैलाने का काम किया है, वह राष्ट्रहित में नहीं है। हमारे संविधान में मतदाता को जो अधिकार दिये गये हैं, उसी से हमारे लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। भारत के कुछ अंचलों में बाहरी लोगों का मतदाता बन जाना कहा का कानून है। यदि एसआईआर में मतदाता सूची का शुद्धीकरण हो रहा है तो विपक्ष को भी साथ देना चाहिए, न कि उसका विरोध करना चाहिए। मुझे इस बात पर भी आश्चर्य होता है कि विपक्ष ईवीएम का भी विरोध कर रहा है। हाल ही में चार बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार कर्नाटका में एमएलसी के चुनाव में वेलेट पेपर से मतदान हुआ। इन राज्यों के चुनाव परिणामों में कांग्रेस को कितनी सीटे मिली यह सब जानते है। इसके बावजूद भी विपक्ष अपनी फितरत से बाज नहीं आता। समाज निरंतर बदलता है। लोग आजीविका के लिए स्थान बदलते हैं, युवा मतदान की आयु पूरी करते हैं और परिवारों की परिस्थितियाँ बदलती हैं। इन परिवर्तनों के अनुरूप मतदाता सूची का अद्यतन आवश्यक है। किसी प्रक्रिया में कठिनाई सामने आए तो उसे दूर करना चाहिए। किसी त्रुटि का प्रमाण मिले तो उसका सुधार होना चाहिए। मतदाता की सहायता किए बिना केवल उसकी आशंका को राजनीतिक अभियान का ईंधन बनाना सार्वजनिक जिम्मेदारी से बचना है। लोकतंत्र की चिंता व्यवहार में दिखनी चाहिए। किसी मतदाता की समस्या हल कराने में लगाया गया श्रम, उसके भय को बढ़ाने वाले भाषणों से अधिक उपयोगी है। मुख्यमंत्री के रूप में मेरा विश्वास है कि प्रदेश की ऊर्जा, विकास और निर्माण में लगनी चाहिए। किसान को बेहतर अवसर चाहिए, युवा को रोजगार और कौशल चाहिए, महिलाओं को सुरक्षा चाहिए और प्रत्येक परिवार को संवेदनशील शासन चाहिए। इन अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए शांति, कानून-व्यवस्था और सामाजिक विश्वास आवश्यक हैं। हम राजनीतिक बहस को जनता के वास्तविक प्रश्नों से जोड़ें। सरकार अपने काम का हिसाब दे। विपक्ष बेहतर विकल्प रखे। नागरिक निर्भय होकर अपनी बात कहें। निर्वाचन प्रक्रिया में प्रत्येक पात्र मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए सबको मिलकर सहयोग करना होगा। लोकतंत्र की ताकत उस नागरिक के विश्वास में है, जो कह सके कि सरकार किसी भी दल की हो, उसके अधिकार और सम्मान की रक्षा होगी। लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ केवल एक नारा या विचार नहीं, बल्कि हर जागरूक नागरिक का कर्तव्य भी है। हर राजनैतिक दल का यह दायित्व होना चाहिए कि जनादेश का सम्मान हो, विरोध में मर्यादा हो, शासन में जवाबदेही हो और कानून के सामने सब समान हों। भारत की दिशा जनता अपने मत से तय करेगी। राजनीतिक सफलता का रास्ता उसी जनता के विश्वास अर्जित करने से होकर जाएगा। यही लोकतंत्र की सच्ची भावना है।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

गांवों में दिखी आत्मनिर्भरता, गौसेवा और जैविक खेती की मिसाल

मंदसौर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वरोजगार, गौसेवा, जैविक खेती और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति देखी गई। अपर कलेक्टर एकता जायसवाल एवं जिला पंचायत सीईओ अनुकूल जैन ने विभिन्न गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों और हितग्राहियों से संवाद किया। ग्राम बानीखेड़ी में ताजखेड़ी के मनीष पाटीदार एवं विकेश पाटीदार तथा दलौदा के कामेश जोशी द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन उद्योग योजना के तहत स्थापित दाल एवं बेसन मिल का निरीक्षण किया गया। इस मिल में दाल, बेसन के साथ पशु आहार का उत्पादन भी किया जा रहा है। मिल का ग्राउंड फ्लोर 7 हजार वर्ग फीट तथा प्रथम तल 16 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में बना है। तीनों युवाओं ने शासन की योजना का लाभ लेकर स्वयं का उद्योग स्थापित किया है और अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। ग्राम सेमलिया हीरा की गौशाला में पड़ोसी गांव गुराड़िया लालगुआ के तीन युवाओं राहुल पाटीदार, पंकज पाटीदार एवं राहुल धनगढ़ की गौसेवा की पहल भी देखने को मिली। ये युवा अपनी रोटी मेकर मशीन गौशाला तक लाते हैं और मशीन से रोटियां बनाकर गायों को खिलाते हैं। युवाओं ने साढ़े आठ लाख रुपए की लागत से यह मशीन खरीदी है, जो विभिन्न आयोजनों में किराए पर भी दी जाती है। मशीन से एक घंटे में करीब 2 हजार रोटियां तैयार होती हैं। अधिकारियों ने युवाओं के इस सेवा कार्य की सराहना की। इस दौरान अपर कलेक्टर एवं सीईओ ने गौशाला में गायों को आहार खिलाया और चुनरी ओढ़ाई। इसी गांव में किसान सत्यनारायण कुमावत के वर्मी कंपोस्ट उत्पादन कार्य का भी निरीक्षण किया गया। किसान वर्मी कंपोस्ट के साथ जैविक पेस्टिसाइड भी तैयार करते हैं।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, शनिवार 31 अक्टूबर 2026

एके-47 तस्करी मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार, हाजीपुर से पकड़ा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार के मुजफ्फरपुर में एके-47 राइफल की तस्करी से जुड़े मामले में फरार आरोपित संदीप कुमार सिन्हा को गिरफ्तार किया है। उसे 29 अक्टूबर की रात वैशाली जिले के टाउन थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। उसके कब्जे से एक नेक्सॉन कार, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और मेमोरी कार्ड जब्त किए गए हैं। एनआईए के अनुसार, संदीप कुमार सिन्हा पर अन्य आरोपितों के साथ मिलकर नगालैंड से बिहार में प्रतिबंधित बोर के अत्याधुनिक हथियारों, खासकर एके-47 राइफलों की तस्करी की साजिश रचने का आरोप है।

मुंबई और बेंगलुरु वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस 1 नवंबर से होगा शुरू

पुणे। रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। बहुप्रतीक्षित मुंबई-बेंगलुरु वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस 1 नवंबर को शुरू होने जा रही है, जबकि 3 नवंबर से इसका नियमित परिचालन शुरू होगा। महाराष्ट्र से चलने वाली यह पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस होगी। इस ट्रेन के शुरू होने से पुणे और बेंगलुरु के बीच यात्रा का समय करीब पांच घंटे कम होने का दावा किया जा रहा है।

उप्र को मिलेगी पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन,अश्विनी वैष्णव दिखाएंगे हरी झंडी

उत्तर प्रदेश के लोगों को मिलगी आज वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की बड़ी सौगात



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश को वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात मिलने जा रही है। वाराणसी से नई दिल्ली के बीच चलने वाली यह ट्रेन 31 अक्टूबर को शुरू की जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी में इसे हरी झंडी दिखाएंगे। आधुनिक सुविधाओं से लैस इस ट्रेन का उद्देश्य रात में लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को तेज, आरामदायक और सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध कराना है। करीब 966 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह ट्रेन वाराणसी से रात में रवाना होकर अगले दिन सुबह दिल्ली पहुंचेगी। नियमित परिचालन के लिए प्रस्तावित समय-सारणी के अनुसार यात्रा में लगभग नौ घंटे लगेंगे। वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस भारतीय रेलवे की प्रीमियम रात्रिकालीन रेल सेवाओं की नई कड़ी है। अब तक वंदे भारत ट्रेनों की पहचान मुख्य रूप से दिन के समय चलने वाली चेयरकार सेवाओं के रूप में रही है। स्लीपर संस्करण को लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि यात्री रात में सोते हुए सफर कर सकें और सुबह अपने गंतव्य पर पहुंच सकें। इस ट्रेन से वाराणसी, प्रयागराज और कानपुर के यात्रियों को राजधानी दिल्ली आने-जाने के लिए एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। धार्मिक यात्रा, कारोबार, शिक्षा, नौकरी और पर्यटन के सिलसिले में दोनों शहरों के बीच आने-जाने वाले लोगों के लिए भी यह सेवा उपयोगी होगी। रेलवे की प्रस्तावित समय-सारणी के मुताबिक वाराणसी से ट्रेन संख्या 27421 रात 8.50 बजे रवाना होगी। यह रात 10.35 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी और पांच मिनट के ठहराव के बाद 10.40 बजे आगे बढ़ेगी। इसके बाद ट्रेन कानपुर सेंट्रल से होकर अगले दिन सुबह 5.55 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 27422 नई दिल्ली से रात 9.40 बजे रवाना होगी। यह अगले दिन सुबह 4.45 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी और पांच मिनट के ठहराव के बाद वाराणसी के लिए रवाना होगी। इसके सुबह 6.45 बजे वाराणसी पहुंचने का समय निर्धारित किया गया है। यह सेवा सप्ताह में छह दिन चलाने की योजना है। वाराणसी से शुक्रवार और नई दिल्ली से शनिवार को ट्रेन का नियमित संचालन नहीं होगा। हालांकि, उद्घाटन के दिन ट्रेन की विशेष सेवा और नियमित वाणिज्यिक परिचालन की समय-सारणी अलग होगी। उद्घाटन के लिए प्रस्तावित विशेष सेवा वाराणसी से शाम 4.30 बजे रवाना होकर रात करीब 1.30 बजे नई दिल्ली पहुंचने वाली है। नियमित सेवा के लिए यात्रियों को रेलवे की अंतिम समय-सारणी और बुकिंग संबंधी घोषणा का इंतजार करना होगा। ट्रेन में कुल 16 वातानुकूलित कोच होंगे। इनमें प्रथम वातानुकूलित श्रेणी का एक, द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के चार और तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 11 कोच शामिल हैं। इनकी कुल यात्री क्षमता करीब 823 होगी। अलग-अलग श्रेणियों की व्यवस्था यात्रियों को अपनी जरूरत और बजट के अनुसार सफर का विकल्प देगी।

चुनाव की तैयारियों को धार देने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे लखनऊ

अमित शाह ने लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का किया उद्घाटन



लखनऊ । उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने के लिए भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का किया उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। सभी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके पहले चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। अमित शाह बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को चुनावी रणनीति का मंत्र देंगे। अमित शाह के लखनऊ पहुंचने से पहले ही भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखाई दिया। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि अमित शाह का मार्गदर्शन मिलेगा और 2027 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता नए उत्साह के साथ मैदान में उतरेंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नए प्रदेश संगठन के गठन के बाद पंकज चौधरी के नेतृत्व में प्रदेश कार्यसमिति की यह पहली बैठक है। अमित शाह कुशल राजनीतिक रणनीतिकार हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में कई अभियानों का नेतृत्व किया है और हर बार पार्टी को बड़ी जीत मिली है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के लिए अभिभावक के समान हैं। वह प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन करेंगे और प्रदेश में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को नई ऊर्जा तथा मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा को किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा के साथ है और पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से जीत हासिल करेगी। भाजपा सांसद रवि किशन ने अमित शाह के दौरे को लेकर कहा कि राजनीति के चाणक्य आ रहे हैं। कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है और यहां मेला लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि अमित शाह के पैर बहुत शुभ हैं। बंगाल के चुनाव में भी वह उनके साथ थे और जहां उन्होंने कदम रखा, वहां पार्टी के पक्ष में माहौल बना। भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा कि अमित शाह पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने और उनका मार्गदर्शन करने आ रहे हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही पार्टी आज इस मुकाम तक पहुंची है। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप 2027 तक विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प की शुरुआत आज से होगी। भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश भर से आए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से सभागार खचाखच भरा है।

चक्रवात अर्नब से तबाही पर खड़गे और प्रियंका गांधी ने जताई चिंता

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मदद करने की अपील की



नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश में चक्रवात अर्नब से हुई तबाही और ओडिशा में भारी बारिश और बाढ़ से बने हालात पर चिंता जताई। दोनों नेताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करने की अपील की। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दोनों राज्यों में चक्रवात और खराब मौसम से प्रभावित लोगों के प्रति एकजुटता जताई और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव कार्यों में सहयोग करने को कहा। उन्होंने लिखा, मेरी संवेदनाएं आंध्र प्रदेश में चक्रवात अर्नब से तबाही झेल रहे लोगों और ओडिशा में भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों के साथ हैं। मैं सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आग्रह करती हूं कि वे प्रभावित लोगों की हर संभव मदद करें और राहत तथा बचाव प्रयासों में सहयोग दें। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी आंध्र प्रदेश में जान-माल के नुकसान और ओडिशा में चक्रवात से जनजीवन में आए व्यवधान पर दुख जताया। उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य सरकारों के साथ मिलकर राहत और पुनर्वास के उपाय करने और प्रभावित परिवारों को मदद सुनिश्चित करने का आग्रह किया। खड़गे ने एक्स पोस्ट में लिखा,चक्रवात अर्नब के कारण आंध्र प्रदेश में लोगों की जान जाने और ओडिशा में जनजीवन में बड़े पैमाने पर व्यवधान से बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। केंद्र सरकार को राज्य सरकारों के साथ मिलकर राहत और पुनर्वास के समन्वित प्रयास करने चाहिए और पीएम केयर्स फंड के जरिए सभी प्रभावित परिवारों को समय पर सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए। मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि वे मुसीबत में फंसे लोगों की हर संभव मदद करें। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को बताया कि चक्रवात अर्नब ने राज्य में सात लोगों की जान ले ली है और इससे करीब 4,600 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। चक्रवात प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि नुकसान का प्रारंभिक अनुमान 4,600 करोड़ रुपए है, लेकिन विस्तृत आकलन के बाद यह आंकड़ा बढ़ सकता है।

उत्तराखंड में पहली बार,मदरसों के लिए नया पाठ्यक्रम हुआ तैयार

धामी सरकार ने बच्चों को शिक्षित करने पर जोर देने के दिय निर्देश



देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने मदरसों समेत सभी अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के लिए नया धार्मिक शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार कर लिया है। इसके साथ ही उत्तराखंड ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। कक्षा 1 से 8वीं तक का पाठ्यक्रम पहले ही तैयार किया जा चुका है और इसे इसी सप्ताह लागू करने की तैयारी है। वहीं, कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लिए भी पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है। जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से इसका विमोचन कराने की योजना है। नया पाठ्यक्रम लागू होने के बाद सभी संबंधित संस्थानों को निर्धारित सिलेबस के अनुसार ही धार्मिक शिक्षा देनी होगी। गौरतलब है कि राज्य में मदरसा बोर्ड को भंग कर अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया था। इसके बाद मुस्लिम, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई और पारसी समुदाय के शिक्षण संस्थानों के लिए पहली बार अलग धार्मिक शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। सरकार की योजना के मुताबिक कक्षा 1 से 8वीं तक की अध्ययन सामग्री ऑनलाइन और ऑफलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। इसी सामग्री के आधार पर विद्यार्थियों की परीक्षाएं भी आयोजित होंगी। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लिए भी यही व्यवस्था लागू की जाएगी। हालांकि, पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन अगले शैक्षणिक सत्र में बजट की व्यवस्था होने के बाद किया जाएगा। मौजूदा सत्र का आधे से अधिक समय बीत चुका है, इसलिए फिलहाल अध्ययन सामग्री के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को नियमों के दायरे में लाने के लिए सरकार ने अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम संशोधन विधेयक सदन में पारित किया है। इसके प्रावधानों के तहत बिना मान्यता या नियमों का उल्लंघन कर धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थानों पर 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा संबंधित संस्थान को बंद करने और वहां रिसीवर नियुक्त करने जैसी कार्रवाई भी की जा सकेगी। जानकारी के अनुसार, पहले उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड के तहत 452 मदरसे संचालित होते थे।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का एक दीया गोमाता के नाम अभियान



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गौ-संरक्षण से ग्रामीण आत्मनिर्भरता पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार इस दीपावली पर एक दीया गोमाता के नाम नामक एक अनूठा अभियान चलाकर गौवंश संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने वाली है। इस पहल के तहत, राज्य के 7,500 से अधिक गौ संरक्षण केंद्रों और बेसहारा गौवंश आश्रय स्थलों को दीपों की रोशनी से जगमगाया जाएगा, जो सांस्कृतिक आस्था, गौवंश संरक्षण और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का एक सुंदर संगम प्रस्तुत करेगा। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विशेष जोर गौ-आधारित उत्पादों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने पर है। इस अभियान में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) से जुड़ी महिलाएं गौ-आधारित उत्पादों के स्टॉल लगाएंगी, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय के अवसर मिलने वाले है। इन उत्पादों को आकर्षक उपहारों के रूप में भी बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि दिवाली के दौरान इनकी खरीद और उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि यह पहल गौशालाओं को केवल आश्रय स्थलों के रूप में नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक भागीदारी और जागरूकता केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास का हिस्सा है। उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं, युवाओं और किसानों को गौवंश संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। दिवाली के मौके पर गौशालाओं और बेसहारा पशु आश्रय स्थलों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी। उन्होंने जोर दिया कि गौ-आधारित उत्पादों की बिक्री से ग्रामीण परिवारों में अधिक समृद्धि आएगी और स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त होने का अवसर मिलेगा। इस पहल के तहत, आवारा पशुओं की देखभाल में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ, उन्हें गौ-आधारित उत्पादों के उपयोग और फायदों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। एक दीया गोमाता के नाम का यह संदेश दिवाली की खुशियों को परंपरा के साथ-साथ गौ संरक्षण, सामुदायिक भागीदारी और एक मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ता है। इसका उद्देश्य न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को ग्रामीण आत्मनिर्भरता के साथ जोड़ना है, बल्कि आश्रय स्थलों में रह रहे बेसहारा पशुओं के प्रति समाज में करुणा और सम्मान का भाव जागृत करना भी है। यह अभियान गौ-संरक्षण को व्यापक समुदाय से जोड़ने और ग्रामीण महिलाओं व किसानों के लिए आर्थिक अवसर पैदा करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

होटल पर फायरिंग, गैंगस्टर राहुल दुबे ने ली हमले की जिम्मेदारी

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग के मटवारी इलाके स्थित एक होटल में गुरुवार देर रात अपराधियों ने कई राउंड फायरिंग कर दहशत फैला दी। फायरिंग में होटल के मुख्य प्रवेश द्वार का शीशा टूट गया, जबकि वहां तैनात सुरक्षा गार्ड बाल-बाल बच गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वारदात के बाद गैंगस्टर राहुल दुबे के नाम से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है। जानकारी के अनुसार, हमलावर गोलीबारी के बाद मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर कोर्रा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस होटल तथा आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में दावा किया गया है कि होटल मालिक अभय सिंह द्वारा राहुल दुबे के फोन कॉल और संदेशों की अनदेखी किए जाने के कारण होटल को निशाना बनाया गया। पोस्ट में अभय सिंह को धमकी दी गई है कि वह उससे संपर्क करे, अन्यथा अगली बार उसके घर या परिवार के सदस्यों पर हमला किया जा सकता है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 31 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

साइबर सुरक्षा में सेंध

ताजा घटनाएं न केवल संबंधित संस्थाओं की लापरवाही का संकेत हैं, बल्कि यह भी बताती हैं कि डिजिटल कारोबार के विस्तार के साथ-साथ सुरक्षा के मानकों को मजबूत करने के पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए हैं। साइबर सुरक्षा से जुड़ी दो गंभीर घटनाओं ने उचित ही भारत में चिंता बढ़ा दी है। जब देश के सबसे बड़े बैंक (भारतीय स्टेट बैंक) के ग्राहकों का डेटा डार्क वेब पर लीक हो जाए, और दूसरी ओर बेंगलुरु की प्रमाणन कंपनी ई-मुद्रा के जारी डिजिटल प्रमाणपत्रों की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामी उजागर हो, उसे साधारण मामला नहीं माना जा सकता। दरअसल, ये घटनाएं न केवल संबंधित संस्थाओं की लापरवाही का संकेत हैं, बल्कि यह भी बताती हैं कि डिजिटल कारोबार के विस्तार के साथ-साथ सुरक्षा के मानकों को मजबूत करने के पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए हैं। एसबीआई का डेटा लीक बैंक के ग्राहकों के भरोसे पर सीधा प्रहार है। बैंक ने 3,897 ग्राहकों के रिकॉर्ड डार्क वेब पर पाए जाने की पुष्टि की है, जिनमें नाम, मोबाइल नंबर, जन्म तिथि और पते जैसी संवेदनशील जानकारियां शामिल हैं। आपत्तिजनक यह है कि बैंक को इस संबंध में 16 अक्टूबर को जानकारी मिली, जिसके पांच दिन बाद उसने शेयर बाजार को इसकी सूचना दी, जबकि प्रभावित ग्राहकों को तब तक कोई संदेश नहीं भेजा गया। यह बताता है कि कैसे आज संस्थाएं निवेशकों के हितों को तो प्राथमिकता देती हैं, लेकिन आम उपभोक्ता की सुरक्षा और सूचना के अधिकार को गंभीरता से नहीं लेतीं। दूसरी घटना तकनीकी दृष्टि से और भी गंभीर है। ई-मुद्रा के आठ डिजिटल प्रमाणपत्रों की निजी कुंजियां इतनी कमजोर थीं कि उन्हें सेकंडों में तोड़ा डाला गया। उसके बाद हैकर किसी भी वेबसाइट का प्रमाण पत्र देने का दावा करने की स्थिति में आ गए। स्पष्टत: इस घटना ने देश की प्रमाणन प्रणाली की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि भारत की साइबर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की तत्काल आवश्यकता है। सरकार और नियामक संस्थाओं को चाहिए कि वे डेटा सुरक्षा कानूनों को सख्ती से लागू करें और इस संबंध पारदर्शिता भी सुनिश्चित करें, ताकि साइबर सुरक्षा में आम जन का भरोसा बहाल हो सके। डिजिटल विश्वास केवल सुरक्षा के मजबूत तंत्र से ही स्थापित हो सकता है, जिसके बिना कोई देश अपने उज्ज्वल डिजिटल भविष्य की आशा नहीं संजो सकता।

राशिफल



मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज बच्चों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें गौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फायदेमंद रहेंगी। युवाओं को बढ़िया नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर मिलेंगे। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें पुराने किए गए कार्यों से वाह वाही मिलेगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। करियर को बढ़ाने में किए गए प्रयासों के चलते लाभ होगा। संतान की सफलता के कारण घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। भाई और बहनों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई किसी काम में आपकी मदद करेंगे। समाज में आज आप बढ़िया कार्यों के कारण पहचाने जाएंगे।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉर्मेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज कोई जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता के जरिए व्यापार में दी हुई जिम्मेदारियां आप आसानी से निभा लेंगे, पिताजी आपसे बहुत खुश होंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। जिम ट्रेनर को आज अच्छे ग्राहक मिलेंगे। आज हर काम को धैर्य और समझदारी से पूरा करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका वर्कलोड बढ़ सकता है, जिसके लिए आपको ओवरटाइम करना पड़ेगा। आज आपको किसी करीबी से कोई ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। माता आज अपने बच्चों को कुछ मीठा बनाकर खिला सकती हैं।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जाएंगे। छात्र किसी खास मामले में एकांत और शांति से विचार करेंगे, तो सब ठीक हो जाएगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा होगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात करके समय बिताएंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम शुरू करने की सोच सकते हैं, लेकिन शुरू करने से पहले अपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें। किसी कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में रहेगा। अगर आप लोन लेना चाहते हैं, तो आज का दिन अच्छा है।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में लगा रहेगा। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कामों में लगाएंगे, इससे आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। जो लोग डांस सीखना चाहते हैं, वे सोशल मीडिया की मदद से सीखेंगे।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें कि दूसरों से तभी दोस्ती करें, जब उनके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उन्हें भली भांति समझ लें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता आपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। आज ऑफिस में लोग आपकी पर्सनालिटी की तारीफ करेंगे।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किए गए छोटे मोटे कार्यों से सकारात्मक परिणाम मिलेगा। सफलताएं छोटी ही सही, लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। ऑफिस के कार्यों को करते समय फोकस बनाए रखें। आपको जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे अपनी समझदारी से बखूबी निभाएंगे।

सरदार पटेल की जयंती पर विशेष आलेख:

राष्ट्र निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल का व्यक्तित्व अद्वितीय

सुरेश सिंह बैस



सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में हुआ था। उन्होंने कानून की शिक्षा लेकर सफल वकालत की, लेकिन महात्मा गांधी के संपर्क में आने के बाद उनका जीवन पूरी तरह राष्ट्रसेवा को समर्पित हो गया। खेड़ा सत्याग्रह और विशेष रूप से 1928 के बारडोली सत्याग्रह में उनके प्रभावी नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और तभी उन्हें 'सरदार' की उपाधि मिली। पटेल का राजनीतिक जीवन केवल भाषणों तक सीमित नहीं था। उन्होंने किसानों के बीच रहकर उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया। खेड़ा में लगान संबंधी समस्याओं और बारडोली में बढ़े हुए भू-राजस्व के विरुद्ध उनके नेतृत्व ने ब्रिटिश प्रशासन को पीछे हटने के लिए विवश किया। वे महात्मा गांधी के निकटतम सहयोगियों में रहे और असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह तथा भारत छोड़ो आंदोलन सहित स्वतंत्रता संघर्ष के अनेक चरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी ,संगठन क्षमता, निर्णय लेने का साहस और कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ, लेकिन राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ देश के सामने एक अत्यंत जटिल समस्या थी - रियासतों का एकीकरण। ब्रिटिश भारत के साथ-साथ देश में सैकड़ों देशी रियासतें थीं। ब्रिटिश सत्ता समाप्त होते ही इन रियासतों पर ब्रिटिश 'पैरामाउंटसी' भी समाप्त हो गई। परिणामस्वरूप भारत के राजनीतिक भविष्य के सामने यह गंभीर प्रश्न था कि ये रियासतें भारतीय संघ का हिस्सा बनेंगी या अलग-अलग रास्ता अपनाएंगी। उस समय लगभग 565 देशी रियासतों का प्रश्न था। यदि वे अलग-अलग राजनीतिक इकाइयों के रूप में अस्तित्व बनाए रखतीं, तो भारत की भौगोलिक और राजनीतिक एकता गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती थी। इस चुनौती से निपटने के लिए 5 जुलाई 1947 को (राज्य विभाग) का गठन किया गया और सरदार पटेल ने इसका दायित्व संभाला। उनके साथ अनुभवी प्रशासक वी.पी. मेनन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पटेल की राजनीतिक समझ और मेनन की प्रशासनिक दक्षता ने मिलकर रियासतों के एकीकरण की कठिन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। सरदार पटेल की सबसे बड़ी शक्ति केवल कठोरता नहीं थी। वे परिस्थितियों के अनुसार संवाद, समझाइश, राजनीतिक विश्वास और आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक कार्रवाई, इन सभी का इस्तेमाल करना जानते थे। उन्होंने देशी रियासतों के शासकों से आग्रह किया कि वे अलगाव का रास्ता छोड़कर भारतीय संघ में शामिल हों। पटेल ने शासकों को यह विश्वास भी दिलाया कि उनका सम्मान और कुछ वैधानिक अधिकार सुरक्षित रहेंगे। 14 अगस्त 1947 तक अधिकांश रियासतें भारत के साथ विलय के लिए सहमत हो चुकी थीं। हालांकि जूनागढ़, हैदराबाद और जम्मू-कश्मीर जैसी रियासतों की परिस्थितियां जटिल बनी रहीं। जूनागढ़ के मामले में जनमत भारत के पक्ष में था और फरवरी 1948 में हुए जनमत-संग्रह में भारी बहुमत ने भारत के साथ रहने का समर्थन किया। हैदराबाद में लंबे गतिरोध के बाद सितंबर 1948 में भारतीय कार्रवाई के पश्चात उसका भारत में विलय हुआ। जम्मू-कश्मीर का मामला पाकिस्तान समर्थित कबायली आक्रमण के बाद अलग परिस्थितियों में सामने आया और महाराजा हरि सिंह ने अक्टूबर 1947 में भारत के साथ विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस प्रकार पटेल और उनकी टीम ने भारत के राजनीतिक विखंडन की आशंका को काफी हद तक समाप्त कर दिया। भारत सरकार के आधिकारिक स्रोत भी उन्हें 560 से अधिक रियासतों के भारतीय संघ में एकीकरण का प्रमुख वास्तुकार मानते हैं। सरदार पटेल के राजनीतिक जीवन का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर कम चर्चित अध्याय 1946 का रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह भी है। 18 फरवरी 1946 को बंबई में एचएमआईएस तलवार के भारतीय नौसैनिकों ने खराब भोजन, प्रतिकूल जीवन परिस्थितियों और भेदभाव सहित विभिन्न शिकायतों को लेकर हड़ताल शुरू की। देखते ही देखते यह आंदोलन बंबई से आगे बढ़कर अन्य नौसैनिक प्रतिष्ठानों और जहाजों तक फैल गया। सरकारी ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार आंदोलन 78 जहाजों और 22 नौसैनिक इकाइयों तक पहुंच गया। स्थिति तेजी से तनावपूर्ण हो गई। बंबई में नागरिक प्रदर्शन भी हुए और ब्रिटिश सेना तथा पुलिस की कार्रवाई में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। ऐसे समय में सरदार पटेल ने मध्यस्थता की। उन्होंने नौसैनिकों से बातचीत कर उन्हें हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने के लिए समझाया। 24 फरवरी 1946 को उनके प्रयासों से नौसैनिकों ने आत्मसमर्पण किया। यहां एक तथ्यात्मक सावधानी जरूरी है। इस विद्रोह को अकेले सरदार पटेल के कारण ब्रिटिश सत्ता के पतन का अंतिम कारण बताना इतिहास को अत्यधिक सरल बना देगा। यह ब्रिटिश शासन के अंतिम वर्षों में उभरते व्यापक असंतोष का एक महत्वपूर्ण संकेत था। आईएनए के प्रभाव, नौसैनिक विद्रोह, युद्धोत्तर आर्थिक-सामाजिक परिस्थितियों और भारतीय जनमानस के बदलते रुख ने मिलकर ब्रिटिश शासन के सामने गंभीर चुनौती पैदा की। सरदार पटेल को अक्सर 'लौह पुरुष' कहकर उनके व्यक्तित्व की कठोरता को रेखांकित किया जाता है, लेकिन उनका राजनीतिक कौशल केवल कठोर निर्णयों में नहीं था। वे गांधीजी की अहिंसक राजनीतिक रणनीति के महत्वपूर्ण सहयोगी थे और व्यावहारिक राजनीति में समझौते, संवाद तथा संगठन की शक्ति को अच्छी तरह समझते थे। वे मानते थे कि स्वतंत्रता तभी सार्थक होगी, जब भारत राजनीतिक रूप से संगठित, प्रशासनिक रूप से सक्षम और आंतरिक रूप से मजबूत हो। इसी दृष्टि से उन्होंने स्वतंत्र भारत में अखिल भारतीय सेवाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। उन्हें भारत के प्रशासनिक 'स्टील फ्रेम' को मजबूत करने वाले नेताओं में भी प्रमुख स्थान दिया जाता है। स्वतंत्र भारत के निर्माण में पंडित जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल की भूमिकाओं को परस्पर विरोध के रूप में देखना उचित नहीं है। दोनों के बीच अनेक मुद्दों पर मतभेद अवश्य थे, लेकिन स्वतंत्र भारत की नींव रखने में दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नेहरू ने आधुनिक भारत के लोकतांत्रिक,वैज्ञानिक और औद्योगिक विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया,वहीं पटेल ने राजनीतिक एकीकरण,प्रशासनिक व्यवस्था और आंतरिक एकता को मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभाई।

> सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में हुआ था। उन्होंने कानून की शिक्षा लेकर सफल वकालत की, लेकिन महात्मा गांधी के संपर्क में आने के बाद उनका जीवन पूरी तरह राष्ट्रसेवा को समर्पित हो गया। खेड़ा सत्याग्रह और विशेष रूप से 1928 के बारडोली सत्याग्रह में उनके प्रभावी नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और तभी उन्हें 'सरदार' की उपाधि मिली। पटेल का राजनीतिक जीवन केवल भाषणों तक सीमित नहीं था। उन्होंने किसानों के बीच रहकर उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया। खेड़ा में लगान संबंधी समस्याओं और बारडोली में बढ़े हुए भू-राजस्व के विरुद्ध उनके नेतृत्व ने ब्रिटिश प्रशासन को पीछे हटने के लिए विवश किया। वे महात्मा गांधी के निकटतम सहयोगियों में रहे और असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह तथा भारत छोड़ो आंदोलन सहित स्वतंत्रता संघर्ष के अनेक चरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी ,संगठन क्षमता, निर्णय लेने का साहस और कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ, लेकिन राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ देश के सामने एक अत्यंत जटिल समस्या थी - रियासतों का एकीकरण।

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी



छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी। प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम जारी देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के रेलवे बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009-14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है। राष्ट्रीय माल ढुलाई को मिलेगा वैकल्पिक रेल मार्ग छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाईन बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और बलौदाबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी। बस्तर की कनेक्टिविटी होगी मजबूत रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट-जगदलपुर (140 किमी)की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। जबकि किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किमी) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) की 490 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना के तहत दल्लीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के अगले चरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोत्तावलसा-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कटघोरा से डोंगरगढ़ तक नए संपर्क की योजना प्रस्तावित कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक प्रस्तावित है। परियोजना को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है। इससे यात्रियों की आवाजाही, कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है। उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए भी नई परियोजनाएं सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) और अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) रेल कॉरिडोर को भी रेल मंत्रालय द्वारा जल्दी ही मंजूर किए जाने की संभावना है। अगस्त 2026 में इन प्रस्तावों पर जल्दी निर्णय और सर्वेक्षण की प्रक्रिया तेज करने का मुद्दा उठाया गया था। इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था मजबूती होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। स्टेशनों का आधुनिकीकरण छत्तीसगढ़ में नई रेल लाइनों के साथ मौजूदा नेटवर्क और स्टेशनों को आधुनिक बनाने पर भी काम किया जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों को करीब 1,680 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों के लिए सुविधाएं बेहतर करना और स्टेशन परिसरों को अधिक व्यवस्थित बनाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण प्रदेश के रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है। चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 31 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

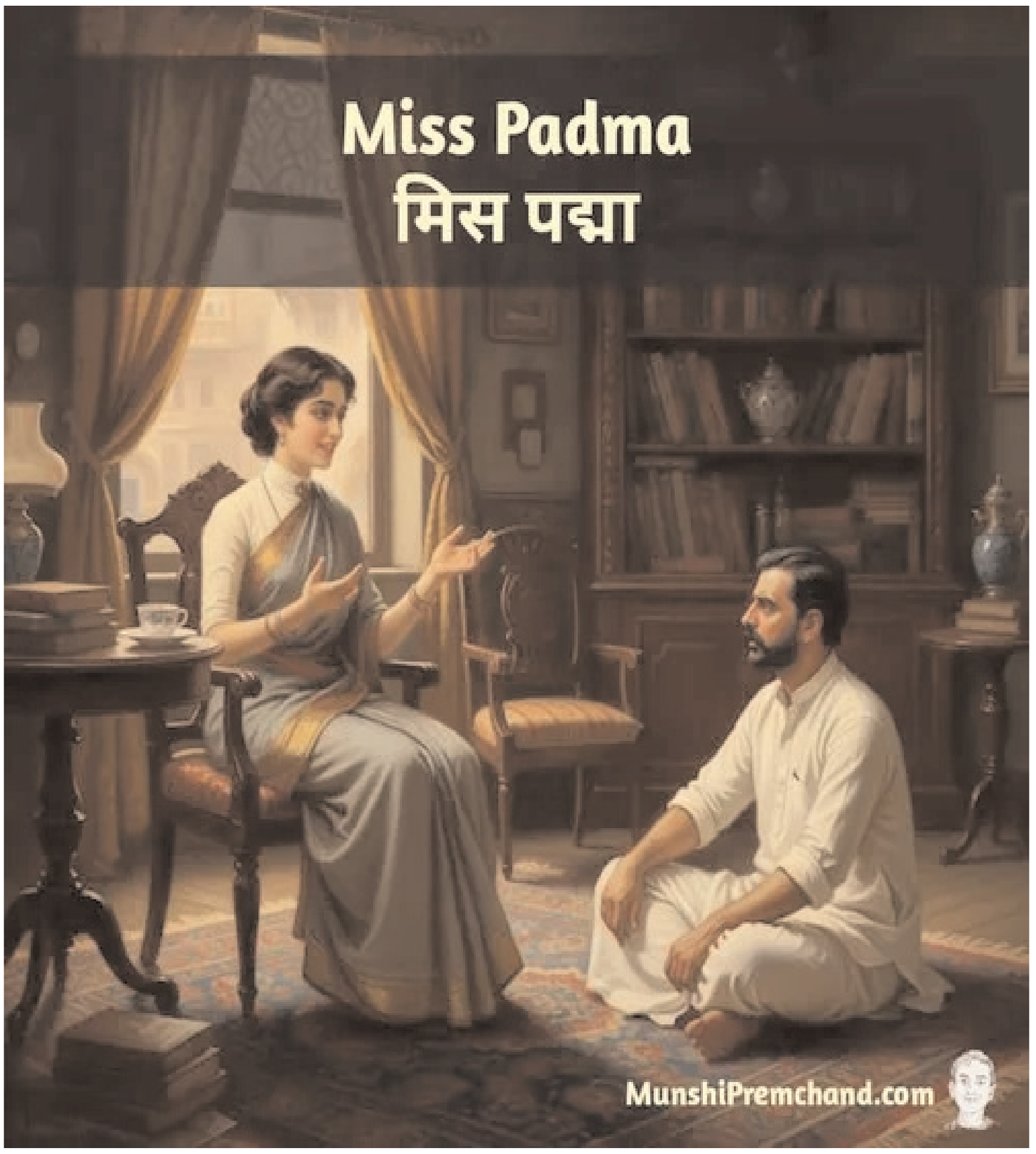

कानून में अच्छी सफलता प्राप्त कर लेने के बाद मिस पद्मा को एक नया अनुभव हुआ, वह था जीवन का सूनापन। विवाह को उसने एक अप्राकृतिक बंधन समझा था और निश्चय कर लिया था कि स्वतन्त्र रहकर जीवन का उपभोग करूँगी। एम.ए. की डिग्री ली, फिर कानून पास किया और प्रैक्टिस शुरू कर दी। रूपवती थी, युवती थी, मृदुभाषिणी थी और प्रतिभाशालिनी भी थी। मार्ग में कोई बाधा न थी। देखते-देखते वह अपने साथी नौजवान मर्द वकीलों को पीछे छोड़कर आगे निकल गयी और अब उसकी आमदनी कभी-कभी एक हज़ार से भी ऊपर बढ़ जाती। अब उतने परिश्रम और सिर-मगजन की आवश्यकता न रही। मुकदमे अधिकतर वही होते थे, जिनका उसे पूरा अनुभव हो चुका था, उनके विषय में किसी तरह की तैयारी की उसे जरूरत न मालूम होती। अपनी शक्तियों पर कुछ विश्वास भी हो गया था। कानून में कैसे विजय मिला करती है, इसके कुछ लटके भी उसे मालूम हो गये थे। इसलिए उसे अब बहुत अवकाश मिलता था और इसे वह किस्से-कहा,नियाँ पढ़ने, सैर करने, सिनेमा देखने, मिलने-मिलाने में खर्च करती थी। जीवन को सुखी बनाने के लिए किसी व्यसन की जरूरत को वह खूब समझती थी। उसने फूल और पौदे लगाने का व्यसन पाल लिया था। तरह-तरह के बीज और पौदे मँगाती और उन्हें उगते-बढ़ते, फूलते-फलते देखकर खुश होती; मगर फिर भी जीवन में सूनेपन का अनुभव होता रहता था। यह बात न थी कि उसे पुरुषों से विरक्ति हो। नहीं, उसके प्रेमियों की कमी न थी।

अगर उसके पास केवल रूप और यौवन होता, तो भी उपासकों का अभाव न रहता; मगर यहाँ तो रूप और यौवन के साथ धन भी था। फिर रसिक-वृन्द क्यों चूक जाते ?

पद्मा को विलास से घृणा थी नहीं, घृणा थी पराधीनता से, विवाह को जीवन का व्यवसाय बनाने से। जब स्वतन्त्र रहकर भोग-विलास का आनन्द उड़ाया जा सकता है, तो फिर क्यों न उड़ाया जाय ? भोग में उसे कोई नैतिक बाधा न थी, इसे वह केवल देह की एक भूख समझती थी। इस भूख को किसी साफ-सुथरी दूकान से भी शान्त किया जा सकता है। और पद्मा को साफ-सुथरी दूकान की हमेशा तलाश रहती थी। ग्राहक दूकान में वही चीज लेता है, जो उसे पसन्द आती है। पद्मा भी वही चीज चाहती थी। यों उसके दर्जनों आशिक थे क़ई वकील, कई प्रोफेसर, कई डाक्टर, कई रईस। मगर ये सब-के-सब ऐयाश थे बेफिक्र, केवल भौंरे की तरह रस लेकर उड़ जाने वाले। ऐसा एक भी न था, जिस पर वह विश्वास कर सकती। अब उसे मालूम हुआ कि उसका मन केवल भोग नहीं चाहता, कुछ और भी चाहता है। वह चीज क्या थी ? पूरा आत्म-समर्पण और यह उसे न मिलती थी।

उसके प्रेमियों में एक मि. प्रसाद था बड़ा ही रूपवान और धुरन्धर विद्वान। एक कालेज में प्रोफेसर था। वह भी मुक्त-भोग के आदर्श का उपासक था और पद्मा उस पर फिदा थी। चाहती थी उसे बाँधकर रखे, सम्पूर्णतः अपना बना ले; लेकिन प्रसाद चंगुल में न आता था। सन्ध्या हो गयी थी। पद्मा सैर करने जा रही थी कि प्रसाद आ गया। सैर करना मुल्तवी हो गया। बातचीत में सैर से कहीं ज्यादा आनन्द था और पद्मा आज प्रसाद से कुछ दिल की बात कहने वाली थी। कई दिन के सोच-विचार के बाद उसने कह डालने ही का निश्चय किया था।

उसने प्रसाद की नशीली आँखों से आँखें मिलाकर कहा, 'तुम यहीं मेरे बँगले में आकर क्यों नहीं रहते ?

प्रसाद ने कुटिल-विनोद के साथ कहा, 'नतीजा यह होगा कि दो-चार महीने में यह मुलाकात भी बन्द हो जायेगी।'

मेरी समझ में नहीं आया, तुम्हारा क्या आशय है।

आशय वही है, जो मैं कह रहा हूँ।

आखिर क्यों ?

मैं अपनी स्वतन्त्रता न खोना चाहूँगा, तुम अपनी स्वतन्त्रता न खोना चाहोगी। तुम्हारे पास तुम्हारे आशिक आयेंगे, मुझे जलन होगी। मेरे पास मेरी प्रेमिकाएँ आयेंगी, तुम्हें जलन होगी। मनमुटाव होगा, फिर वैमनस्य होगा और तुम मुझे घर से निकाल दोगी। घर तुम्हारा है ही ! मुझे बुरा लगेगा ही, फिर यह मैत्री कैसे निभेगी ?

दोनों कई मिनट तक मौन रहे। प्रसाद ने परिस्थिति को इतने स्पष्ट बेलाग, लट्ठमार शब्दों में खोलकर रख दिया था कि कुछ कहने की जगह न मिलती थी ! आखिर प्रसाद ही को नुकता सूझा।

बोला, 'ज़ब तक हम दोनों यह प्रतिज्ञा न कर लें कि आज से मैं तुम्हारा हूँ और तुम मेरी हो, तब तक एक साथ निर्वाह नहीं हो सकता।'

तुम यह प्रतिज्ञा करोगे ?

पहले तुम बतलाओ।

मैं करूँगी।

तो मैं भी करूँगा।

मगर इस एक बात के सिवा मैं और सभी बातों में स्वतंत्र रहूँगी !

और मैं भी इस एक बात के सिवा हर बात में स्वतंत्र रहूँगा।

मंजूर।

मंजूर !

तो कब से ?

जब से तुम कहो।

मैं तो कहती हूँ, कल ही से।

तय। लेकिन अगर तुमने इसके विरुद्ध आचरण किया तो ?

और तुमने किया तो ?

तुम मुझे घर से निकाल सकती हो; लेकिन मैं तुम्हें क्या सजा दूंगा ?

तुम मुझे त्याग देना, और क्या करोगे ?

जी नहीं, तब इतने से चित्त को शान्ति न मिलेगी। तब मैं चाहूँगा तुम्हें जलील करना; बल्कि तुम्हारी हत्या करना।

तुम बड़े निर्दयी हो, प्रसाद ?

जब तक हम दोनों स्वाधीन हैं, हमें किसी को कुछ कहने का हक नहीं, लेकिन एक बार प्रतिज्ञा में बँध जाने के बाद फिर न मैं उसकी अवज्ञा सह सकूँगा, न तुम सह सकोगी। तुम्हारे पास दण्ड का साधन है, मेरे पास

नहीं है। कानून मुझे कोई भी अधिकार नहीं देगा। मैं तो केवल अपने पशुबल से प्रतिज्ञा का पालन कराऊँगा और तुम्हारे इतने नौकरों के सामने मैं अकेला क्या कर सकूँगा ?

तुम तो चित्र का श्याम पक्ष ही देखते हो ! जब मैं तुम्हारी हो रही हूँ, तो यह मकान, नौकर-चाकर और जायदाद सबकुछ तुम्हारा है। हम-तुम दोनों जानते हैं कि ईर्ष्या से यादा घृणित कोई सामाजिक पाप नहीं है। तुम्हें मुझसे प्रेम है या नहीं, मैं नहीं कह सकती; लेकिन तुम्हारे लिए मैं सबकुछ सहने, सबकुछ करने को तैयार हूँ।

दिल से कहती हो पद्मा ?

सचे दिल से।

मगर न-जाने क्यों तुम्हारे ऊपर विश्वास नहीं आ रहा है ?

मैं तो तुम्हारे ऊपर विश्वास कर रही हूँ।

यह समझ लो, मैं मेहमान बनकर तुम्हारे घर में न रहूँगा, स्वामी बनकर रहूँगा।

तुम घर के स्वामी ही नहीं, मेरे स्वामी बनकर रहोगे। मैं तुम्हारी स्वामिनी बनकर रहूँगी।

प्रो. प्रसाद और मिस पद्मा दोनों साथ रहते हैं और प्रसन्न हैं। दोनों ही ने जीवन का जो आदर्श मन में स्थिर कर लिया था, वह सत्य बन गया है। प्रसाद को केवल दो सौ रुपये वेतन मिलता है; मगर अब वह अपनी आमदनी का दुगुना भी खर्च कर दे तो परवाह नहीं। पहले वह कभी-कभी शराब पीता था, अब रात-दिन शराब में मस्त रहता है। अब उसके लिए अलग अपनी कार है, अलग अपने नौकर हैं, तरह-तरह की बहुमूल्य चीजें मँगवाता रहता है और पद्मा बड़े हर्ष से उसकी सारी फिजूलखर्चियाँ बर्दाश्त करती है। नहीं, बर्दाश्त करने का प्रश्न नहीं। वह खुद उसे अछे-से-अछे सूट पहनाकर अछे-से-अछे ठाठ में रखकर, प्रसन्न होती है। जैसी घड़ी इस वक्त प्रो. प्रसाद के पास है, शहर के बड़े-से-बड़े रईस के पास न होगी और पद्मा जितना ही उससे दबती है प्रसाद उतना ही उसे दबाता है। कभी-कभी उसे नागवार भी लगता है, पर किसी अज्ञात कारण से अपने को उसके वश में पाती है। प्रसाद को जरा भी उदास या चिन्तित देखकर उसका मन चंचल हो जाता है। उस पर आवाजें कसी जाती हैं; फबतियाँ चुस्त की जाती हैं। जो उसके पुराने प्रेमी थे, वे उसे जलाने और कुढ़ाने का प्रयास भी करते हैं; पर वह प्रसाद के पास आते ही सब कुछ भूल जाती है। प्रसाद ने उस पर पूरा आधिपत्य पा लिया है और उसने इसका ज्ञान पद्मा की बारीक आँखों से पढ़ा है और उसका आसन अछी तरह पा गया है।

मगर जैसे राजनीति के क्षेत्र में अधिकार दुरुपयोग की ओर जाता है, उसी तरह प्रेम के क्षेत्र में भी वह दुरुपयोग की ओर ही जाता है और जो कमजोर है, उसे तावान देना पड़ता है। आत्माभिमानी पद्मा अब प्रसाद की लौंडी थी और प्रसाद उसकी दुर्बलता का फायदा उठाने से क्यों चूकता ? उसने कील की पतली नोक चुभा दी थी और बड़ी कुशलता से उत्तरोत्तर उसे अन्दर ठोंकता जाता था। यहाँ तक कि उसने रात को देर में घर आना शुरू किया। पद्मा को अपने साथ न ले जाता, उससे बहाना करता कि मेरे सिर में दर्द है और जब पद्मा घूमने जाती तो अपनी कार निकाल लेता और उड़ जाता। दो साल गुजर गये थे और पद्मा को गर्भ था। वह स्थूल भी हो चली थी। उसके रूप में पहले की-सी नवीनता और मादकता न रह गई थी। वह घर की मुर्गी थी, साग बराबर।

एक दिन इसी तरह पद्मा लौटकर आयी, तो प्रसाद गायब थे। वह झुँझला उठी। इधर कई दिन से वह प्रसाद का रंग बदला हुआ देख रही थी।

आज उसने कुछ स्पष्ट बातें कहने का साहस बटोरा। दस बज गये, ग्यारह बज गये, बारह बज गये, पद्मा उसके इन्तजार में बैठी थी। भोजन ठण्डा हो गया, नौकर-चाकर सो गये। वह बार-बार उठती, फाटक पर जाकर नजर

दौड़ाती। एक बजे के करीब प्रसाद घर आया। पद्मा ने साहस तो बहुत बटोरा था; पर प्रसाद के सामने जाते ही उसे इतनी कमजोरी मालूम हुई। फिर भी उसने जरा कड़े स्वर में पूछा, 'आज इतनी रात तक कहाँ थे ? कुछ खबर है, कितनी रात गयी ? प्रसाद को वह इस वक्त असुन्दरता की मूर्ति-सी लगी। वह एक विद्यालय की छात्रा के साथ सिनेमा देखने गया था। बोला, 'तुमको आराम से सो जाना चाहिए था। तुम जिस दशा में हो, उसमें तुम्हें, जहाँ तक हो सके, आराम से रहना चाहिए। पद्मा का साहस कुछ प्रबल हुआ, 'तुमसे मैं जो पूछती हूँ, उसका जवाब दो। मुझे जहन्नुम में भेजो !'

तो तुम भी मुझे जहन्नुम में जाने दो।

तुम मेरे साथ दगा कर रहे हो, यह मैं साफ देख रही हूँ।

तुम्हारी आँखों की योति कुछ बढ़ गयी होगी !

मैं इधर कई दिन से तुम्हारा मिजाज कुछ बदला हुआ देख रही हूँ।

मैंने तुम्हारे साथ अपने को बेचा नहीं है। अगर तुम्हारा जी मुझसे भर गया हो, तो मैं आज जाने को तैयार हूँ।

तुम जाने की धामकी क्यों देते हो ! यहाँ तुमने आकर कोई बड़ा त्याग नहीं किया है।

मैंने त्याग नहीं किया है ? तुम यह कहने का साहस कर रही हो ?

'मैं देखता हूँ, तुम्हारा मिजाज बिगड़ रहा है। तुम समझती हो, मैंने इसे अपंग कर दिया। मगर मैं इसी वक्त तुम्हें ठोकर मारने को तैयार हूँ, इसी वक्त, इसी वक्त ! पद्मा का साहस जैसे बुझ गया था। प्रसाद अपना ट्रंक सँभाल रहा था।

पद्मा ने दीन-भाव से कहा, 'मैंने तो ऐसी कोई बात नहीं कही, जो तुम इतना बिगड़ उठे। मैं तो केवल तुमसे पूछ रही थी, कहाँ थे। क्या मुझे इतना भी अधिकार नहीं देना चाहते ? मैं कभी तुम्हारी इछा के विरुद्ध कोई काम नहीं करती और तुम मुझे बात-बात पर डाँटते रहते हो। तुम्हें मुझ पर जरा भी दया नहीं आती ! मुझे तुमसे कुछ भी तो सहानुभूति मिलनी चाहिए। मैं तुम्हारे लिए क्या कुछ करने को तैयार नहीं हूँ ? और आज जो मेरी दशा हो गयी है, तो तुम मुझसे आँखें फेर लेते हो ...उसका कण्ठ रुँध गया और मेज पर सिर रखकर फूट-फूटकर रोने लगी। प्रसाद ने पूरी विजय पायी।

पद्मा के लिए मातृत्व अब बड़ा ही अप्रिय प्रसंग था। उस पर एक चिंता मँडराती रहती। कभी-कभी वह भय से काँप उठती और पछताती। प्रसाद की निरंकुशता दिन-दिन बढ़ती जाती थी। क्या करे, क्या न करे। गर्भ पूरा हो गया था, वह कोर्ट न जाती थी। दिन-भर अकेली बैठी रहती। प्रसाद सन्ध्या समय आता, चाय-वाय पीकर फिर उड़ जाता, तो ग्यारह-बारह बजे के पहले न लौटता। वह कहाँ जाता है, यह भी उससे छिपा न था। प्रसाद को जैसे उसकी सूरत से नफरत थी। पूर्ण गर्भ, पीला मुख, चिन्तित, सशंक, उदास। फिर भी वह प्रसाद को श्रृंगार और आभूषणों से बाँधने की चेष्टा से बाज न आती थी। मगर वह जितना ही प्रयास करती, उतना ही प्रसाद का मन उसकी ओर से फिरता था। इस अवस्था में श्रृंगार उसे और भद्दा लगता। प्रसव-वेदना हो रही थी। प्रसाद का पता नहीं। नर्स मौजूद थी, लेडी डाक्टर मौजूद थी; मगर प्रसाद का न रहना पद्मा की प्रसव-वेदना को और भी दारुण बना रहा था। बालक को गोद में देखकर उसका कलेजा फूल उठा, मगर फिर प्रसाद को सामने न पाकर उसने बालक की ओर से मुँह फेर लिया। मीठे फल में जैसे कीड़े पड़ गये हों।

पाँच दिन सौर-गृह में काटने के बाद जैसे पद्मा जेलखाने से निकली ... नंगी तलवार बनी हुई। माता बनकर वह अपने में एक अद्भुत शक्ति का अनुभव कर रही थी। उसने चपरासी को चेक देकर बैंक भेजा। प्रसव-सम्बन्धी कई बिल अदा करने थे। चपरासी खाली हाथ लौट आया।

पद्मा ने पूछा, 'रुपये ?'

बैंक के बाबू ने कहा,रुपये सब प्रसाद बाबू निकाल ले गये।

पद्मा को गोली लग गयी। बीस हजार रुपये प्राणों की तरह संचित कर रखे थे, इसी शिशु के लिए। हाय ! सौर से निकलने पर मालूम हुआ, प्रसाद विद्यालय की एक बालिका को लेकर इंगलैण्ड की सैर करने चला गया।

झल्लायी हुई घर में आयी, प्रसाद की तसवीर उठाकर जमीन पर पटक दी और उसे पैरों से कुचला। उसका जितना सामान था, उसे जमा करके दियासलाई लगा दी और उसके नाम पर थूक दिया।

एक महीना बीत गया था। पद्मा अपने बँगले के फाटक पर शिशु को गोद में लिए खड़ी थी। उसका क्रोध अब शोकमय निराशा बन चुका था। बालक पर कभी दया आती, कभी प्यार आता, कभी घृणा आती।

उसने सड़क पर देखा, एक यूरोपियन लेडी अपने पति के साथ अपने बालक को बचों की गाड़ी में बिठाये लिये चली जा रही थी। उसने हसरत-भरी आँखों से उस खुशनसीब जोड़े को देखा और उसकी आँखें सजल हो गयीं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 31 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

आर्मेनिया की संसद में बहस, सत्ता और विपक्ष में चले लात-घूंसे, एक-दूसरे के कपड़े भी फाड़े

इस घटना में कई सांसद घायल, डिप्टी स्पीकर ने नहीं रोका लाइफ टेलीकॉस्ट



येरेवान। आर्मेनिया की संसद में लोकतंत्र तार-तार हो गया, जब बहस के दौरान सांसद आपस में भिड़ गए जो संसद देश के कानून बनाने के लिए जानी जाती है, वो अखाड़े बन गई। संसद की सीधी कार्रवाई के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाते दिखे। एक चुनावी वादे को लेकर शुरू हुई बहस में गाली-गलौज हुई, कपड़े फाड़े गए और खून-खराबा हुआ। संसद परिसर के बाहर एंबुलेंस बुलानी पड़ी। इस दौरान डिप्टी स्पीकर ने कुछ ऐसा किया सभी सांसदों को शर्म से मुंह छुपाना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये शर्मनाक घटना गुरुवार को उस समय हुई जब आर्मेनियाई संसद में ऑडिट चैंबर के एक सदस्य के चुनाव को लेकर बहस चल रही थी। सब कुछ सामान्य था, तभी सत्ताधारी पार्टी 'सिविल कॉन्ट्रैक्ट' के सांसद तरोन चाखोयान पोडियम पर आए। चाखोयान ने भाषण देते हुए विपक्षी दल के नेता नरेक करापेत्यान के एक रिश्तेदार द्वारा चुनाव से पहले दिए गए विवादित बयान का जिक्र कर दिया। वह बयान एक ऐसे चुनावी वादे के बारे में था, जिसमें विपक्ष ने सत्ता में आने पर महिलाओं की संतुष्टि के लिए एक अलग 'मंत्रालय' बनाने की बात कही थी। रिपोर्ट के मुताबिक चाखोयान ने विपक्षी नेता करापेत्यान को याद दिलाया कि उनके चचेरे भाई ने उस विवादित बयान के लिए अभी तक जनता से माफी नहीं मांगी है। बस इसी बात पर संसद का पारा चढ़ गया।'स्ट्रॉन्ग आर्मेनिया' गुट के नेता नरेक करापेत्यान ने पहले अपनी सीट पर बैठे-बैठे ही सत्ता पक्ष के सांसद को तीखा जवाब दिया, लेकिन बात वहीं खत्म नहीं हुई। गुस्साए करापेत्यान अपनी सीट से उठे और सीधे पोडियम की तरफ बढ़ गए, जहां चाखोयान भाषण दे रहे थे। दोनों नेताओं के बीच शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। संसद के भीतर ही एक-दूसरे को घूंसे मारे जाने लगे, लातें चलीं और जमकर भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। यह मारपीट इतनी भयानक थी कि इसमें कई सांसद गंभीर रूप से घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस खूनी झड़प के बाद संसद भवन के बाहर एंबुलेंस बुलानी पड़ी। विपक्षी सांसद अंद्रानिक गेवोर्गयान की नाक पर गंभीर चोट आई और खून बहने लगा, वहीं सांसद रूबेन मखितार्यान के कपड़े तक फाड़ दिए गए। इस पूरे बवाल के बाद संसद के डिप्टी स्पीकर रूबेन रुबिनयान ने विपक्षी नेता नरेक करापेत्यान को इस घटना का मुख्य जिम्मेदार ठहराया। सबसे दिलचस्प बात ये रही कि जब ये सब हो रहा था, तो स्पीकर ने लाइव टेलीकास्ट को बंद करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जानबूझकर लाइव ब्रॉडकास्ट जारी रखा ताकि देश की जनता अपनी आंखों से देख सके कि संसद के अंदर उनके चुने हुए प्रतिनिधि क्या कर रहे हैं।



तुर्की में प्राकृतिक चट्टानी संरचनाओं में से पत्थर गिरने की आशंका के बाद दमकल विभाग का एक ट्रक और एंबूलैंस मौके पर पहुंचे।

अमेरिका पहुंचे बोल्सोनारो ने कहा- ब्राजील का राष्ट्रपति मैं ही हूं

चुनाव में धांधली का आरोप लगाया देश छोड़ने पर सफाई दी

ब्रासीलिया। ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करने के बाद फ्लावियो बोल्सोनारो अपने परिवार के साथ मियामी पहुंच गए हैं। अमेरिका पहुंचने के बाद उन्होंने चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाते हुए खुद को देश का असली राष्ट्रपति और विपक्ष का नेता बताया है। फ्लावियो ने दावा किया कि उनके विरोधियों ने चुनाव चुरा लिया है और वह देश छोड़कर भागे नहीं हैं, बल्कि राजनीतिक उत्पीड़न से बचने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए अमेरिका आए हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वह अमेरिका से ही ब्राजील के विपक्ष का नेतृत्व करेंगे। इस घटनाक्रम से ब्राजील की राजनीति में भारी हलचल मच गई है, जबकि देश के दोबारा चुने गए राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने उनके देश छोड़ने के तरीके और तौर-तरीकों पर कड़े सवाल उठाए हैं। ब्राजील के हालिया राष्ट्रपति चुनाव में लूला दा सिल्वा ने 51.8 प्रतिशत वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। दूसरे दौर के मुकाबले में उन्होंने फ्लावियो को 40 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हराया था, जिसके नतीजों की पुष्टि ब्राजील की सर्वोच्च चुनाव अदालत ने की थी। हालांकि, चुनाव हारने के बाद से ही उनके अमेरिका पहुंचने को लेकर विभिन्न अटकलें लगाई जा रही थीं। वित्तीय गड़बड़ियों और आपराधिक मामलों की जांच के दायरे में होने के कारण अधिकारियों ने उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया था। तय सीमा में पासपोर्ट न जमा करने पर उनके यात्रा दस्तावेज रद्द कर दिए गए थे, जिसके बाद वह अपनी पत्नी और बेटियों के साथ निजी विमान से मियामी के पास ओपा-लोका हवाई अड्डे पर उतरे। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, उनके परिवार को आव्रजन नियमों के तहत देश में प्रवेश की अनुमति दी गई है। वहीं, ब्राजील की पुलिस का कहना है कि उन्हें तकनीकी रूप से भगोड़ा नहीं माना जा रहा है। इस पूरे मामले पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने बुधवार को स्पष्ट किया कि अमेरिका ने फ्लावियो और उनके परिवार को देश में शरण दी है।

150 साल पुरानी घोड़ागाड़ी होगी बंद, प्रस्ताव पारित

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर की सेंट्रल पार्क की पारंपरिक घोड़ागाड़ियों की सवारी जल्द ही अतीत का पन्ना बनने जा रही है। इन विंटेज घोड़ागाड़ियों पर न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल यानी नगर परिषद ने कड़ा रुख अपनाते हुए औपचारिक प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को पारित कर दिया है। पिछले लगभग डेढ़ सौ वर्षों से दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रही विंटेज घोड़ागाड़ियां अब इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएगी। नगर परिषद में हुए मतदान के दौरान इस ऐतिहासिक पाबंदी के पक्ष में 40 वोट पड़े, जबकि इसके विरोध में केवल 7 पार्षदों ने मतदान किया। घोड़ागाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने का यह कठोर फैसला उस समय तेजी से परवान चढ़ा जब एक भारतीय किशोर रोमांच महाजन की दुखद दुर्घटना में हुई मौत के बाद इस पुरानी परंपरा की सुरक्षा, प्रासंगिकता और पशु कल्याण पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। रोमांच महाजन से जुड़ी इस दुखद घटना के बाद पशु अधिकार कार्यकर्ताओं, स्थानीय नागरिकों और मानवाधिकार संगठनों ने सड़कों पर उतरकर घोड़ागाड़ियों के संचालन का कड़ा विरोध किया था। इस त्रासदी ने शहर के प्रशासनिक हलकों में एक नई बहस छेड़ दी कि क्या आधुनिक यातायात और भारी भीड़-भाड़ वाले न्यूयॉर्क शहर में जानवरों का इस तरह व्यावसायिक इस्तेमाल करना सुरक्षित और तर्कसंगत है।

बोस्निया में इटली का चिनूक हेलीकॉप्टर क्रैश

सरायेवो। उत्तरी बोस्निया के ब्रच्को शहर के पास यूरोपीय संघ (ईयू) के शांति सेना बल का एक इटालियन सीएच-47 चिनूक हेलीकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में चार सैन्यकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। घायलों को तुरंत चिकित्सीय सहायता मुहैया कराई गई है और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी भी नागरिक, संपत्ति या बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। यूरोपीय संघ बल (ईयूएफओआर) ने दुर्घटना के स्पष्ट कारणों का पता लगाने के लिए एक गहन और संपूर्ण जांच के आदेश दे दिए हैं, जिसकी विस्तृत जानकारी जांच पूरी होने के बाद साझा की जाएगी।

जर्मनी अब अमेरिका की नहीं, यूक्रेन की बनाई मिसाइल खरीदेगा

कीव। यूरोप के डिफेंस मार्केट में एक बड़ी खबर ने हलचल मचा दी है। अपनी जबरदस्त इंजीनियरिंग और अत्याधुनिक हथियारों के लिए मशहूर जर्मनी अब अमेरिका की नहीं, बल्कि यूक्रेन की बनाई मिसाइल खरीदने जा रहा है। जर्मन सेना पहली बार यूक्रेन की 'बार्स' मिसाइल का परीक्षण करने की तैयारी में है। अगर यह दांव सही बैठा, तो जर्मनी ऐसी सैकड़ों मिसाइलों का बड़ा ऑर्डर देगा। यह कदम दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में शुमार जर्मनी की एक नई और सोची-समझी रक्षा रणनीति का हिस्सा है, जिससे सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर जर्मनी को यूक्रेन के इस हथियार की जरूरत क्यों पड़ गई? जर्मन सरकार आने वाले कुछ हफ्तों में बार्स मिसाइल के पहले बैच को खरीदने के लिए एक बड़े समझौते पर हस्ताक्षर करने की तैयारी में है। इन मिसाइलों का इस्तेमाल सबसे पहले जर्मन सेना अपनी तकनीकी और टेस्टिंग के लिए करेगी। अगर अगले साल की शुरुआत में होने वाले परीक्षण सफल रहते हैं, तो जर्मनी सैकड़ों मिसाइलों का बड़ा ऑर्डर दे सकता है। यह कदम केवल हथियार खरीद नहीं, बल्कि रूस के खिलाफ यूरोप की अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि बार्स मिसाइलें अब सिर्फ यूक्रेन में नहीं, बल्कि पिछले कुछ महीनों से जर्मनी के अंदर ही एक संयुक्त यूक्रेनी-जर्मन कंपनी द्वारा बनाई जा रही हैं, हालांकि सुरक्षा कारणों से इस पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीय रखा गया है। जर्मनी द्वारा वित्तपोषित इस मेक-इन-जर्मनी बार्स मिसाइल का पहला बैच अक्टूबर में यूक्रेन को सौंपा भी जा चुका है। अब यही जॉइंट वेंचर जर्मन सेना के अपने इस्तेमाल के लिए उत्पादन शुरू करेगा। यूक्रेन में 'बार्स' को 'ड्रोन मिसाइल' भी कहा जाता है, लेकिन तकनीकी रूप से जर्मन सेना इसे एक 'लो-कॉस्ट क्रूज मिसाइल' मानती है।

पाकिस्तान की वायरल रील को मिले पर 8.99 करोड़ से ज्यादा व्यूज, खूब हो रही चर्चा

इस्लामाबाद। कई बार कुछ वीडियो इंटरनेट पर छा जाते हैं। इन दिनों पाकिस्तान की एक ऐसी ही रील खूब चर्चा में है, जिसे सोशल मीडिया पर 89.9 मिलियन यानी करीब 8.99 करोड़ व्यूज मिलने का दावा किया जा रहा है। इस रील में एक शख्स बच्चों के बीच बैठा नजर आ रहा है, उसके चेहरे की मुस्कान और आसपास मौजूद बच्चों का अंदाज इस वीडियो को खास बना रहा है। सोशल मीडिया पर इन दिनों उनकी तारीफ में कहें क्या... गाना काफी वायरल हो रहा है। इस गाने पर बने रील्स लोगों का ध्यान खींच रही हैं। खासकर पाकिस्तान के एक वायरल वीडियो के साथ यह गाना चर्चा में है। इस रील पर 89.9 मिलियन यानी करीब 8.99 करोड़ व्यूज मिले है। गाने की धुन और वीडियो के अंदाज ने लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी है। वायरल रील में एक शख्स काले कपड़ों में बच्चों के बीच बैठा दिखाई देता है. उसके बाल सुनहरे हैं और वह मुस्कुराता हुआ नजर आ रहा है उसके आसपास कई बच्चे बैठे हैं, जबकि पीछे कुछ दूसरे लोग भी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में शख्स का सहज अंदाज और बच्चों के साथ बिताया जा रहा यह पल लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस रील को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा इसके व्यूज की हो रही है।

तालिबान सरकार ने 'स्पेशल डिफेंसिव फोर्सेज' की घातक तैयारियों का वीडियो किया शेयर



इस्लामाबाद को खुली चुनौती हमला करने की जुर्रत की तो स्पेशल फोर्स देगी करारा जवाब

काबुल। डूरंड रेखा पर पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने अपनी 'स्पेशल डिफेंसिव फोर्सेज' की घातक तैयारियों का एक वीडियो जारी कर इस्लामाबाद को खुली चुनौती दे दी है। इस वीडियो के जरिए तालिबान ने ये संदेश देने की कोशिश की है कि अगर पाकिस्तान ने सीमा पार करने या हमला करने की जुर्रत की तो उसकी स्पेशल फोर्स करारा जवाब देने के लिए तैयार है। तालिबानी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि ये विशेष बल तेजी से स्ट्राइक करने, सटीक निशाना साधने और किसी भी आपात स्थिति में दुश्मन को ढेर करने में माहिर हैं। हाल ही में जारी इस आधिकारिक वीडियो में तालिबान की स्पेशल डिफेंसिव फोर्सेज को आधुनिक हथियारों, हाई-टेक सैन्य रणनीतियों और सख्त ट्रेनिंग के साथ दिखाया गया है। इस वीडियो के कई बड़े मायने निकाले जा रहे हैं, जैसे तालिबान ने इन विशेष दस्तों को अपनी इस्लामिक व्यवस्था और देश के पूर्वी हिस्से यानी पाकिस्तान सीमा का रक्षक घोषित किया है। डूरंड रेखा पर पाकिस्तान द्वारा लगातार की जा रही गोलाबारी और ड्रोन हमलों के बीच ये वीडियो जारी करके पाकिस्तान की सेना और जनमानस पर दबाव बनाने की कोशिश की गई है। 19 अक्टूबर के बाद से दोनों देशों के बीच कम से कम तीन बड़ी और खूनी सैन्य झड़पें दर्ज की जा चुकी हैं, जिसमें पक्तिका और वजीरिस्तान में गोलाबारी तथा पाकिस्तानी ड्रोन स्ट्राइक शामिल हैं. तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट करके आरोप लगाया कि पाकिस्तानी ड्रोन्स ने पक्तिका में उनके सुरक्षा ठिकानों को निशाना बनाया. जवाब में तालिबान ने पाकिस्तानी चौकियों पर हमला कर कई पाकिस्तानी सैनिकों को हताहत करने का दावा किया. खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने सख्त लहजे में कहा, 'अफगान तालिबान सरकार किसी मुगालते में न रहे. पाकिस्तान अपने लोगों पर हमले या अपनी संप्रभुता का उल्लंघन कभी बर्दाश्त नहीं करेगा'। पाकिस्तान और तालिबान के बीच इस दुश्मनी की सबसे बड़ी वजह 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' (टीटीपी) है। पाकिस्तान का आरोप है कि काबुल पर कब्जा करने के बाद अफगान तालिबान टीटीपी के आतंकियों को सुरक्षित पनाहगाह दे रहा है। ये आतंकी अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के भीतर आत्मघाती हमले अंजाम दे रहे हैं. पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ तो पहले ही सीमा पर संघर्ष के बाद तालिबान के खिलाफ 'ओपन वॉर' की घोषणा कर चुके हैं। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तानी सैन्य और खुफिया एजेंसी के आला अधिकारियों ने गुप्त रूप से तालिबान विरोधी अफगान गुटों से मुलाकातें की हैं. पाकिस्तान ने इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज किया है, लेकिन जानकारों का मानना है कि तालिबान को बैकफुट पर धकेलने के लिए पाकिस्तान अब अफगानिस्तान के भीतर ही उसके दुश्मनों को खड़ा करने की खतरनाक रणनीति पर काम कर रहा है।

कछुए जोनाथन के डीएनए में मिला लंबी उम्र का राज

लंदन। यहां दुनिया के सबसे उम्रदराज जीव माने जाने वाले 194 वर्षीय विशालकाय कछुए जोनाथन पर बढ़ती उम्र का कोई विशेष नकारात्मक असर नहीं दिख रहा है। जोनाथन आज भी उतना ही मजबूत और सक्रिय है, जितना वह अपनी किशोरावस्था के दौरान था। दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित ब्रिटिश द्वीप सेंट हेलेना में रह रहे जोनाथन की अत्यधिक उम्र के कारण आँखों की रोशनी चली गई है, लेकिन उसकी सुनने और समझने की क्षमता इतनी तीव्र है कि अपना नाम पुकारे जाने पर वह तुरंत समझ जाता है कि उसके खाने का समय हो गया है। हाल ही में हुए वैज्ञानिक शोधों में जोनाथन के जेनेटिक्स और डीएनए से कुछ ऐसे अनूठे सुराग मिले हैं, जो भविष्य में इंसानों की उम्र बढ़ाने और वृद्धावस्था से जुड़ी बीमारियों से बचाने की दिशा में एक क्रांतिकारी मोड़ साबित हो सकते हैं। अन्तरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वैज्ञानिकों द्वारा जोनाथन के डीएनए पर किए गए गहन अध्ययन में यह बात सामने आई है कि उसके जीन समूह में माइटोकॉन्ड्रिया का कार्य बेहद असाधारण है।

संक्षिप्त समाचार

नॉर्वे में सोना खरीदो और जंगल में छोड़ आओ नाम से चल रहा अनोखा ठगी का खेल

ओस्लो। सोने को हमेशा से संकट के समय का सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन अब ठग इस भरोसे का फायदा उठाकर लोगों को चूना लगा रहे हैं। नॉर्वे में धोखाधड़ी का बेहद अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिस सोना खरीदो और जंगल में छोड़ आओ नाम दिया गया है। इस नए घोटाले के तहत भोले-भाले लोगों को पहले सोना खरीदने के लिए राजी किया जाता है और उसके बाद उन्हें निर्देश दिया जाता है कि वे उस सोने को किसी सुनसान जगह या जंगल में ले जाकर छोड़ दें। ठग पीड़ितों को यह झूठा भरोसा दिलाते हैं कि ऐसा करने से उनका सोना पूरी तरह सुरक्षित रहेगा और भविष्य में उसकी कीमत बढ़ने पर उन्हें भारी मुनाफा मिलेगा। लेकिन हकीकत में, सोना जंगल में छोड़ने के बाद गायब हो जाता है और पीड़ितों की जीवनभर की गाढ़ी कमाई पलभर में डूब जाती है। नॉर्वे की वित्तीय सेवा संस्था के अनुसार, इस प्रकार के ठगी के मामले सबसे पहले इसी साल वसंत ऋतु में सामने आए थे। इसके बाद राजधानी ओस्लो, उसके आसपास के इलाकों और पश्चिमी तट के प्रमुख शहर बर्गेन से भी ऐसी कई घटनाएं दर्ज हुई। हालांकि संस्था ने अभी तक इसका आधिकारिक खुलासा नहीं किया है कि इस फ्रॉड में कुल कितने मूल्य का सोना चोरी हुआ है, लेकिन इन वारदातों ने देश के बैंकों और वित्तीय संस्थानों की चिंता काफी बढ़ा दी है। इन मामलों को रोकने के लिए फिनेंस नोर्ज और नॉर्वे के प्रमुख बैंकों ने संयुक्त रूप से व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है। वे नागरिकों को लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि किसी भी अनजान व्यक्ति के बहकावे में आकर सोना न खरीदें और न ही अपनी कीमती वस्तुएं किसी सुनसान स्थान पर छोड़ें। बैंकों का कहना है कि यदि कोई निवेश के नाम पर असामान्य और अजीब निर्देश दे या अवास्तविक रूप से बड़े मुनाफे का लालच दिखाए, तो तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले साल नॉर्वे के बैंकों और उनके ग्राहकों को विभिन्न वित्तीय घोटालों के कारण कुल 96.2 करोड़ नॉर्वेजियन क्रोनर (लगभग 10 करोड़ डॉलर) का भारी नुकसान उठाना पड़ा था, हालांकि बैंकों ने तत्परता दिखाते हुए 3.5 अरब क्रोनर से अधिक की संभावित ठगी को नाकाम भी किया था।

इजरायल में किसी भी दल को बहुमत नहीं त्रिशंकु संसद के आसार

तेलअवीव। इजरायल के आम चुनाव की अंतिम मतगणना पूरी हो चुकी है, जिसके परिणामों के अनुसार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। हालांकि, नेतन्याहू के पूरे गठबंधन को 120 सदस्यीय नेसेट (संसद) में केवल 53 सीटें ही हासिल हुई हैं, जबकि उनके सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी गादी आइजेनकोट के गठबंधन को 48 सीटें मिली हैं। इस तरह दोनों ही मुख्य राजनीतिक गुट बहुमत के जादुई आंकड़े 61 तक पहुंचने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं। सरकार गठन के लिए अब दोनों पक्षों के पास या तो छोटी पार्टियों को साथ लाने या फिर 19 सीटें जीतने वाली अरब पार्टियों का समर्थन लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, जिसे लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मतगणना पूरी होने के साथ ही इजरायल में एक बार फिर त्रिशंकु सरकार बनने की रूपरेखा तय हो गई है। ऐसे समय में जब देश में विदेशी हस्तक्षेप की चर्चाएं जोरों पर हैं, चुनाव परिणामों के बाद जोड़-तोड़ और मुलाकातों का दौर भी शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार बनाने की कोशिशों के तहत यशार पार्टी के चेयरमैन गादी आइसेनकोट ने बेयाचाद पार्टी के चेयरमैन नफ्ताली बेनेट से मुलाकात की और जल्द से जल्द एक स्थिर सरकार के गठन पर चर्चा की। दूसरी ओर, चुनाव के दौरान कतर और तुर्किए जैसी विदेशी ताकतों द्वारा अरब पार्टियों की सीटें बढ़ाने के लिए पैसे खर्च करने के गंभीर आरोप भी सामने आए हैं, जिसकी जांच के निर्देश इजरायली चुनाव अधिकारियों द्वारा सुरक्षा एजेंसियों को दिए गए हैं। हालांकि, इन विदेशी हस्तक्षेप के आरोपों को लेकर इजरायल के विपक्षी नेताओं की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के धुर विरोधी और विपक्ष के नेता यार लापिड ने इन आरोपों को ज्यादा गंभीर नहीं मानते हुए कहा है कि इनके आधार पर न तो चुनावों को चुनौती दी जा सकती है और न ही नई संसद के शपथ ग्रहण समारोह में किसी तरह की देरी होनी चाहिए। सुरक्षा अधिकारियों से चर्चा के बाद सरकार ने भी स्पष्ट कर दिया है कि इस जांच की वजह से आधिकारिक चुनाव परिणामों या नई सरकार के गठन की प्रक्रिया में कोई रुकावट नहीं आएगी। अब देखना यह होगा कि इजरायल के येन-केन-प्रकारेण राजनीतिक समीकरण आगामी दिनों में किस करवट बैठते हैं और कौन सा गठबंधन सत्ता की चाबी हासिल करने में सफल होता है।

सेहत को लेकर सवाल पूछने पर भड़के राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन। कंसास और आयोवा में अपनी चुनावी रैलियां रद्द करने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक रिपोर्टर के सवाल पर बुरी तरह भड़क गए। जब एक पत्रकार ने उनसे पूछा कि क्या उनकी तबीयत खराब होने के कारण रैलियां रद्द की गई हैं और लगातार चुनाव प्रचार से उनकी सेहत पर असर पड़ा है, तो ट्रंप ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने सवाल का जवाब देने के बजाय पत्रकार के लुक्स पर टिप्पणी करते हुए उसकी बॉडी शेमिंग की और उसकी नकल भी उतारी।ट्रंप ने रिपोर्टर से कहा कि ऐसा सवाल पूछने के लिए वह खुद बीमार हैं। जब पत्रकार ने अपनी संस्था का नाम बताया, तो ट्रंप ने उस पर भी तंज कसा। इसके बाद भी जब पत्रकार ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए सिर्फ राष्ट्रपति की सेहत के बारे में जानना चाहा, तो ट्रंप और आक्रामक हो गए और बोले कि वह बिल्कुल भी फिट नहीं दिखते हैं और उन्हें अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए।हालांकि, बाद में अपनी सेहत के बारे में बात करते हुए ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उनकी तबीयत बिल्कुल ठीक है और वे पिछले दो हफ्तों से अपना पूरा ध्यान रख रहे हैं। गौरतलब है कि ट्रंप इस समय आगामी मिडटर्म चुनावों के सिलसिले में देश भर में जोरदार प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं, जिसके तहत उनकी शनिवार को कंसास के सलीना और रविवार को आयोवा के डब्यूक में चुनावी रैलियां प्रस्तावित थीं, जिन्हें किन्हीं कारणों से रद्द करना पड़ा था।

खुफिया जानकारी लीक मामले में अमेरिकी शीर्ष जनरल बर्खास्त

वॉशिंगटन। अमेरिका सेना में इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। ईरान युद्ध के बढ़ते खर्चों, सैनिकों के बीच भुखमरी के हालात और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर बढ़ते राजनीतिक दबाव के बीच अब एक शीर्ष अमेरिकी जनरल पर गाज गिरी है। रक्षा मंत्री ने खुफिया जानकारियों को लीक करने के गंभीर आरोपों के चलते लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्वेरिया को उनके पद से बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिका द्वारा ईरान पर नए सिरे से हमले करने के संकेत मिल रहे हैं और अमेरिकी मिडटर्म चुनावों के बाद सैन्य संघर्ष के और तेज होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। आंतरिक जांच रिपोर्ट के हवाले से सामने आया है कि ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ में रणनीति, योजना और नीति के निदेशक के रूप में कार्यरत लेफ्टिनेंट जनरल सिल्वेरिया ने पिछले एक साल के दौरान ईरान और रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ी गोपनीय खुफिया जानकारियां कुछ चुनिंदा पत्रकारों के साथ साझा की थीं। बताया जा रहा है कि गोपनीय जानकारी साझा करने से जुड़े मामलों में वे तीन पॉलीग्राफ (लाइ-डिटेक्टर) टेस्ट में फेल हो गए थे, जिसके बाद उन्होंने खुद मीडिया आउटलेट्स के साथ क्लासिफाइड जानकारी साझा करने की बात स्वीकार कर ली। वर्ष 1994 में यूएस मिलिट्री एकेडमी से ग्रेजुएट रहे सिल्वेरिया अमेरिकी सेना के सबसे अनुभवी और सम्मानित अधिकारियों में गिने जाते हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 31 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

वैभव की गेल से तुलना करने लगे हैं प्रशंसक



मुम्बई। भारतीय टीम के 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भले ही उन्होंने अभी तक केवल 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियां खेली हों पर तूफानी पारियों को देखकर क्रिकेट विशेषज्ञों और प्रशंसकों को वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल के शुरुआती दिनों की याद आने लगी है। जिससे इनकी शुरुआती 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों की तुलना भी होने लगी है। भारतीय शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, वैभव को जब भी अवसर मिला है, उन्होंने उसका लाभ उठाया है। उन्होंने इंग्लैंड में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की और जिम्बाब्वे दौरे पर प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब जीतकर अपने को साबित किया। इसके बाद, उन्होंने एशियाई खेलों में भी अच्छा प्रदर्शन किया। उनका ये सिलसिला न्यूजीलैंड दौरे पर भी जारी है। अपने इतने छोटे से करियर में चार अलग-अलग देशों में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले वैभव का भारत में अभी तक डेब्यू होना बाकी है, जो उनकी असाधारण क्षमता दिखाता है। दूसरी ओर गेल को विस्फोटक बल्लेबाज कहा जाता था। वहीं वैभव भी निडर होकर गेंदबाजों की पिटाई करते है। अपने शुरुआती 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में वैभव सूर्यवंशी ने 29.50 के औसत और 185.53 के प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से कुल 295 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दो शानदार अर्धशतक लगाये। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन पारियों में उन्होंने 50.33 के औसत और 196.10 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से 151 रन बनाये, जिसमें 49 गेंदों पर 81 रन और 19 गेंदों पर 50 रन की दो तूफानी पारियां शामिल थीं। न्यूजीलैंड के खिलाफ दो पारियों में उन्होंने 181.48 के स्ट्राइक रेट से 49 रन और इंग्लैंड के खिलाफ तीन पारियों में 168 के स्ट्राइक रेट से 42 रन बनाये। वहीं गेल ने अपनी पहली 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 37.60 के बेहतरीन औसत और 151.61 के स्ट्राइक रेट से कुल 376 रन बनाये थे। उनके नाम एक तूफानी शतक और तीन अर्धशतक दर्ज थे। 2007 टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 57 गेंदों पर उनकी 117 रनों की ऐतिहासिक पारी और 2009 टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 गेंदों पर 88 रनों की पारी उनके शुरुआती करियर की विस्फोटक झलक थी। इन 10 पारियों में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो पारियों में 187.69 के शानदार स्ट्राइक रेट से 122 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन पारियों में 136.84 के स्ट्राइक रेट से 78 रन बनाए थे।आंकड़ों पर गौर करें तो, गेल रनों के मामले में (376 बनाम 295) और अर्धशतकीय/शतकीय पारियों की संख्या (4 बनाम 2) में वैभव से आगे रहे थे।

गंभीर को कोच बनाना चाहती हैं कई आईपीएल टीमों

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का कार्यकाल समाप्त होने में अभी करीब एक साल बचा है फिर भी उन्हें कई आईपीएल टीमों से कोच बनने के प्रस्ताव मिल रहे हैं। गंभीर का कार्यकाल साल 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उसे बढ़ाकर 2028 ओलंपिक तक कर सकता है। इसके बाद भी कई आईपीएल टीमें उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहती हैं। इसस गंभीर के कोच के तौर बढ़ते प्रभाव के तौर पर देखा जा रहा है। ये भी कहा जा रहा है कि कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी अभी से गंभीर के संपर्क में हैं। इसका मुख्य कारण उनका आईपीएल में कोच के तौर पर काफी अच्छा कोचिंग रिकॉर्ड रहा है। लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर के रूप में उनके मार्गदर्शन में टीम ने लगातार दो बार प्लेऑफ में जगह बनाई। इसके बाद, 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर के रूप में उन्होंने टीम को तीसरी बार आईपीएल विजेता बनाया। यहां तक कि अपनी कप्तानी में भी गंभीर ने कोलकाता नाइट राइडर्स को दो बार प्रतिष्ठित ट्रॉफी दिलाई थी, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक सूझबूझ साबित हुई है। इन्हीं शानदार सफलताओं के कारण आईपीएल 2028 के लिए टीमें अभी से ही उन्हें अपने खेमे में करने के लिए उत्साहित नजर आ रही हैं। उनकी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) भी एक बार फिर उन्हें जिम्मेदारी देना चाहती है। यह दिखाता है कि केकेआर उन्हें भविष्य में भी अपने साथ बनाए रखना चाहती है। इसके अलावा कहा जा रहा है कि राजस्थान रॉयल्स ने भी उनसे भविष्य की भूमिकाओं को लेकर बातचीत की है। गौरतलब है कि गंभीर कोच के तौर पर सीमित ओवरों के क्रिकेट में खासे सफल रहे हैं, उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप और एशिया कप जीता था। इससे उनके रणनीतिक कौशल और टीम प्रबंधन की क्षमता दिखी है। उनके अब तक के कार्यकाल में भारतीय टीम ने श्रीलंका, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी दिग्गज टीमों के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत हासिल की है।

ग्लेन फिलिप्स ने भारत के खिलाफ सबसे अधिक रनों का होप का रिकार्ड तोड़ा

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ चौथे टी20 में अपनी 107 रनों की शतकीय पारी के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। फिलिप्स अब भारत के खिलाफ किसी टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ इस सीरीज के पहले दो मैचों में लगातार 2 अर्धशतक लगाए थे। इस प्रकार अब तक 275 रन बनाकर उन्होंने वेस्टइंडीज के शाई होप के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। होप ने इस महीने की शुरुआत में ही भारतीय टीम के खिलाफ पांच टी20 मैचों की चार पारियों में 261 रन बनाए थे। होप के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए फिलिप्स को 93 रनों की जरूरत थी जबकि उन्होंने इस मैच में शतक लगाकर पूरी कर दी। वहीं, न्यूजीलैंड के लिए किसी टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड मार्क चैपमैन के नाम है। चैपमैन ने अप्रैल 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ पांच टी20 मैचों में कुल 290 रन बनाए थे।

जोकोविच ने सर्बियाई छात्र आंदोलन की जीत पर खुशी जतायी

बासेल। स्विट्जरलैंड के बासेल में स्विस इंडोर्स टूर्नामेंट खेल रहे सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने अपने देश में छात्र आंदोलन के सफल होने पर खुशी जतायी है। जोकोविच ने सर्बिया में छात्र आंदोलन की चुनावी जीत पर बधाई देते हुए कहा कि छात्रों ने पिछले दो साल से सरकार के खिलाफ निरंतर संघर्ष जारी रखा था। उन्होंने युवाओं के साहस की प्रशंसा की है। जोकोविच के मुताबिक, इस आंदोलन ने न सिर्फ सर्बिया बल्कि विदेशों में रहने वाले सर्बियाई लोगों के बीच भी गर्व की भावना पैदा की है। जोकोविच ने आंदोलन से जुड़े युवाओं के प्रति गहरा सम्मान जाहिर करते हुए उनके संघर्ष और अमूल्य योगदान के बारे में बताया। उन्होंने भावुक होकर कहा, मैं उन छात्रों और युवाओं का दिल से सम्मान करता हूं, जिन्होंने अथक संघर्ष किया। पिछले दो वर्षों में उन्होंने भारी दबाव और चुनौतियों के बावजूद अपनी गरिमा और अविश्वसनीय दृढ़ता का परिचय दिया है। जोकोविच ने आगे कहा कि युवाओं ने जिस परिपक्वता और संकल्प के साथ परिस्थितियों का सामना किया, उससे वह काफी प्रभावित हैं।साथ ही कहा, मेरे मन में उनके लिए बहुत प्रशंसा है कि उन्होंने क्या किया और किस तरह से खुद को इतनी गरिमा के साथ पेश किया। उन्होंने सभी लोगों के भीतर गर्व की भावना पैदा की है, सिर्फ सर्बिया में ही नहीं, बल्कि विदेशों में रहने वाले सर्बियाई समुदाय के बीच भी। यह आंदोलन पिछले दो साल से सर्बियाई सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा था।

शुभमन ने एकदिवसीय सीरीज के लिए अभ्यास शुरु किया, राहुल और गुनूर भी टीम से जुड़े

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 नवंबर से शुरु हो रही पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल और ने अपना अभ्यास शुरु कर दिया है। शुभमन ने पहले मैच के लिए ऑकलैंड पहुंचते ही नेट्स पर बल्लेबाजी शुरु कर दी। जिससे साफ है कि वह सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इस महत्वपूर्ण सीरीज से अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की भी भारतीय टीम में वापसी हो रही है, जिससे बल्लेबाजी मजबूत होगी। शुभमन के साथ, विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज गुनूर बराड़ भी भारतीय दल से जुड़ गए हैं। केएल राहुल को भी नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास करते देखा गया, जो टीम की तैयारियों का अहम हिस्सा है। अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए ये सीरीज बेहद अहम मानी जा रही है। इसमें सभी की नजरें विराट और रोहित के प्रदर्शन पर भी रहेंगी। । इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी से टीम का मनोबल बढ़ने के साथ ही युवा खिलाड़ियों को भी इनसे सीखने मिलेगा। कप्तान शुभमन के नेतृत्व में इन दिग्गजों का साथ टीम को एक संतुलित और मजबूत इकाई बनाएगा। अभ्यास सत्र के दौरान शुभमन टी20 टीम के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ बातचीत करते भी दिखे। वहीं चोट से उबर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने भी नेट्स पर बल्लेबाजी की, हालांकि उनकी अंतिम फिटनेस और उपलब्धता पर अभी फैसला नहीं हुआ है। गिल बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक के साथ बातचीत के बाद बल्लेबाजी करने पहुंचे थे।

गौरतलब है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज शुरुआत 4 नवंबर से ऑकलैंड के ऐतिहासिक ईडन पार्क में होगी। एकदिवसीय सीरीज के समापन के बाद, दोनों टीमें 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में एक बार फिर मुकाबला करेंगी। इसमें भी शुभमन गिल ही कप्तानी करेंगे।



मोरक्को की राजधान रबात में फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप के राउंड 16 मैचों में चीन की फेंक झेनझू किक लगाती हुई।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

अल नीनो के खतरे के बावजूद भारत की आर्थिक वृद्धि पर आईएमएफ का भरोसा

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने सुपर अल नीनो के कारण मौसम में संभावित बदलावों से उत्पन्न जोखिमों के बावजूद भारत के आर्थिक विकास पर अपना पूरा भरोसा जताया है। आईएमएफ के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक विकास का एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है, भले ही खराब मौसम से जुड़े कुछ जोखिम मौजूद हों। आईएमएफ ने यह भी स्पष्ट किया है कि सुपर अल नीनो जैसी घटनाओं का असर अभी तक भारत में सीधे तौर पर दिखाई नहीं दिया है, लेकिन भविष्य में इससे फसलों के उत्पादन में कमी आ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप खाने-पीने की चीजें महंगी होने की आशंका है। आईएमएफ के संचार निदेशक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भारत के सामने मौसम से जुड़े कई बड़े जोखिम मौजूद हैं, हालांकि अभी तक इनका मौजूदा आर्थिक स्थिति पर कोई वास्तविक असर नहीं पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि ये जोखिम वास्तविक रूप में सामने आते हैं, तो परिवारों की खरीदारी की क्षमता (परचेजिंग पावर) कम हो सकती है। आईएमएफ ने अपनी अक्टूबर 2026 की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में भारत के लिए 7 प्रतिशत विकास दर का अनुमान लगाया था। चूंकि अल नीनो से जुड़े गंभीर मौसमी जोखिम अभी तक पूरी तरह से सामने नहीं आए हैं, इसलिए आईएमएफ जनवरी 2027 में जारी होने वाले अपने अगले वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट में भारत की इस विकास दर के अनुमान की दोबारा समीक्षा करेगा। यह समीक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि आने वाले महीनों में सुपर अल नीनो से जुड़ा मौसमी जोखिम कितना गहराता है। सुपर अल नीनो का तात्पर्य भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के पानी का सामान्य से बहुत ज्यादा गर्म हो जाना है। यह स्थिति तब बनती है जब समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस या उससे भी अधिक बढ़ जाता है।

धनतेरस से पहले सोने की कीमतों में गिरावट से खरीदार असमंजस में

नई दिल्ली। धनतेरस और शादी के शुभ अवसर से ठीक पहले सोने की कीमतों में आई भारी गिरावट ने खरीदारों को असमंजस में डाल दिया है। जनवरी में 1.75 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्च स्तर को छूने वाला सोना अब 1.43 लाख रुपये के करीब आ गया है, यानी करीब 20 फीसदी की कमी। इस अप्रत्याशित गिरावट ने जहां एक ओर निवेशकों के लिए अवसर पैदा किया है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह खरीदारी का सही समय है या अभी और इंतजार करना चाहिए। सोने की कीमतों में इस बड़ी गिरावट के पीछे कई वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारण जिम्मेदार हैं। सबसे प्रमुख वजह अमेरिका के 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड में रिकॉर्ड बढ़ोतरी है, जो 5 फीसदी से भी ऊपर चल रही है। जब अमेरिकी सरकार द्वारा जारी किए गए इन बॉन्ड पर इतना आकर्षक और सुरक्षित रिटर्न मिलता है, तो बड़े निवेशक सोने जैसे सुरक्षित निवेश से पैसा निकालकर बॉन्ड में लगाना पसंद करते हैं, क्योंकि सोने पर कोई ब्याज नहीं मिलता। इस शिफ्ट से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग घटती है और उसकी कीमत पर दबाव बनता है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका में बढ़ती महंगाई का डर भी सोने की चमक फीकी कर रहा है। ईरान युद्ध के तनाव के कारण महंगा हुआ कच्चा तेल अमेरिकी अर्थव्यवस्था में महंगाई बढ़ा रहा है। इसे नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें ऊंची रखी हैं, जिससे बॉन्ड यील्ड को और बढ़ावा मिला है। जानकारों का मानना है कि जब तक कच्चे तेल की कीमतें स्थिर नहीं होतीं और महंगाई के आंकड़े नीचे नहीं आते, तब तक अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड ऊंची बनी रह सकती है। इसका सीधा मतलब है कि अगले कुछ महीनों या साल भर तक सोने के भाव में तेजी से उछाल की संभावना कम है।

बाइनेंस पर साइबर हमले की आशंका से क्रिप्टो बाजार में हड़कंप

एक्सचेंज ने जमा और निकासी रोकी, 3 अरब डॉलर की डिजिटल संपति फीज



नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर एक बड़े साइबर हमले की आशंका ने वैश्विक क्रिप्टो बाजार में भूचाल ला दिया है। सुरक्षा से जुड़ी इस गंभीर घटना के सामने आने के बाद कंपनी ने अस्थायी रूप से पैसे जमा करने और निकालने की सुविधा बंद कर दी है। इस मामले में अब तक लगभग 3 अरब डॉलर (करीब 24,000 करोड़ रुपए) की डिजिटल संपत्तियां फ्रीज की जा चुकी हैं, जिससे बिटकॉइन समेत कई प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बाइनेंस ने तत्काल प्रभाव से अपने प्लेटफॉर्म पर सभी जमा और निकासी को रोक दिया है और एक संदिग्ध सुरक्षा घटना की गहन जांच शुरू कर दी है। कंपनी ने बताया कि उसकी टीम सुरक्षा प्रोटोकॉल की जांच कर रही है और संदिग्ध फंड को फ्रीज करने के साथ कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। बाइनेंस ने ग्राहकों को यह कहते हुए भरोसा दिलाया है कि वह इस घटना से हुए सभी नुकसान की भरपाई करेगी। एक्सचेंज के सह-संस्थापक ने भी इस घटना को साइबर हमला होने की आशंका जताई है, लेकिन ग्राहकों के पूरे फंड की भरपाई का विश्वास दिलाया है। एक ब्लॉकचेन ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म ने संदिग्ध हैकर से जुड़े कुछ डिजिटल वॉलेट में 5.9 अरब डॉलर (करीब 47,000 करोड़ रुपए) की डिजिटल संपत्तियां होने का अनुमान लगाया है, हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि हैकर्स ने वास्तव में कितनी रकम चुराई है। इस खबर के सामने आते ही क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भारी बिकवाली देखी गई। बिटकॉइन की कीमत गिरकर 77,000 डॉलर के नीचे पहुंच गई, जो सितंबर के बाद का सबसे निचला स्तर है। ईथर समेत अन्य डिजिटल करेंसी की कीमतों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि बाइनेंस जैसे बड़े और प्रभावशाली एक्सचेंज पर इस तरह का खतरा पूरे क्रिप्टो उद्योग के प्रति निवेशकों के भरोसे को कमजोर कर सकता है, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से बढ़ते साइबर हमलों की क्षमता के दौर में। टेथर और सर्किल जैसी प्रमुख स्टेबलकॉइन कंपनियों ने भी इस घटना से जुड़े अरबों डॉलर के फंड फ्रीज किए हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब क्रिप्टो बाजार में पहले से ही लगभग 11 अरब डॉलर के क्रिप्टो ऑप्शंस की एक्सपायरी और अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के कारण बड़े उतार-चढ़ाव की आशंका बनी हुई थी। बाइनेंस ने 2018 में गंभीर परिस्थितियों में ग्राहकों की सुरक्षा के लिए सिक्योर एसेट फंड फॉर यूजर्स नामक एक आपातकालीन फंड भी बनाया था।

अदाणी यूरोप में 27,000 करोड़ में खरीदेंगे इवोस टर्मिनल्स

मुंबई। अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए एक बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। कंपनी ने पैन-यूरोपीय लिक्विड स्टोरेज और टर्मिनल ऑपरेटर इवोस टर्मिनल्स का अधिग्रहण करने के लिए लगभग 3 अरब यूरो की बाईडिंग ऑफर पेश की है। यह कदम अदाणी पोर्ट्स की वैश्विक विस्तार योजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यूरोपीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। इग्नियो इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर्स के स्वामित्व वाली इवोस टर्मिनल्स यूरोप की सबसे बड़ी लिक्विड स्टोरेज कंपनियों में से एक है। इसके पास 5 यूरोपीय देशों के 7 बंदरगाहों पर 8 बड़े टैंक टर्मिनल्स हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 6.4 मिलियन क्यूबिक मीटर है। अदाणी पोर्ट्स का यह ऑफर बदलते वैश्विक परिदृश्य और ऊर्जा सुरक्षा की चिंताओं के बीच यूरोप के बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने का एक प्रयास है। यह बाईडिंग ऑफर एक कड़ी प्रतिस्पर्धी नीलामी प्रक्रिया के तहत दिया गया है, जिसमें केकेआर, ईक्यूटी और मैक्वेरी जैसे कई वैश्विक दिग्गज भी शामिल थे। इस डील पर अंतिम फैसला कुछ हफ्तों में आने की उम्मीद है। यह विदेशी विस्तार अदाणी पोर्ट्स द्वारा यूके-आधारित एसोसिएटेड ब्रिटिश पोर्ट्स की बिड में पीछे हटने के तुरंत बाद आया है। कंपनी प्रबंधन पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह वैश्विक समुद्री व्यापार में अपना दबदबा बढ़ाने के लिए दुनिया भर की लगभग 20 रणनीतिक परिसंपत्तियों (पोर्ट्स और टर्मिनल्स) का बारीकी से मूल्यांकन कर रहा है।

हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने विवेक कन्नन को नियुक्त किया सीईओ

नई दिल्ली। हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस ने विवेक कन्नन को अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। कन्नन 2020 में कंपनी में मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) के रूप में शामिल हुए थे। वह सचिन पिल्लई की जगह लेंगे, जिन्होंने 29 अक्टूबर को आवास वित्त कंपनी के प्रबंध निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था। पिल्लई कंपनी के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में बने रहेंगे। वित्तीय सेवा क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले कन्नन कंपनी की बाजार में मौजूदगी मजबूत करने और सतत वृद्धि को आगे बढ़ाने पर ध्यान देंगे।

एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने ब्लू वॉटर लर्निंग में सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई। एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने अमेरिकी राज्य टेक्सास की ब्लू वॉटर लर्निंग में सौ फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली है। यह सौदा उसकी अनुषंगी एनआईआईटी यूएसए के जरिए 1.76 करोड़ डॉलर तक में हुआ है। इसमें अगले पांच वर्षों के दौरान प्रदर्शन के आधार पर दिए जाने वाले अतिरिक्त भुगतान भी शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स लिमिटेड ने ब्लू वॉटर लर्निंग एलएलसी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। वर्ष 2003 में स्थापित ब्लू वॉटर लर्निंग का मुख्यालय टेक्सास के प्लानो में है। यह कंपनी संगठनों को सीखने और प्रतिभा विकास से जुड़े बदलावों की रणनीति बनाने और उन्हें लागू करने में मदद करती है। इसका माध्यम से किया गया है। इस सौदे का कुल मूल्य 1.76 करोड़ डॉलर (करीब 167 करोड़ रुपये) तक है। इसमें अगले पांच वर्षों के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किए जाने वाले अतिरिक्त भुगतान भी शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि एनआईआईटी लर्निंग सिस्टम्स ने अमेरिका के टेक्सास स्थित ब्लू वॉटर लर्निंग में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 167 करोड़ रुपये में हासिल की है। कंपनी ने बताया कि यह अधिग्रहण उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एनआईआईटी (यूएसए) के

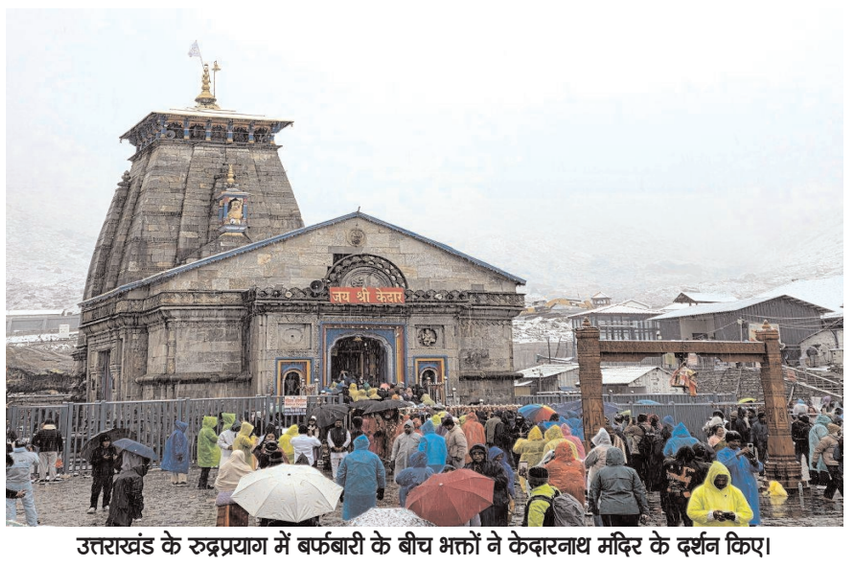

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में बर्फबारी के बीच भक्तों ने केदारनाथ मंदिर के दर्शन किए।

भारतीय कंपनियों की विदेशी उधारी बढ़ी, अगस्त में 8.13 डॉलर अरब के आवेदन

फ्लिपकार्ट, पीएफसी, आरईसी व इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने भी की बड़ी उधारी की मांग

मुंबई। भारतीय कंपनियों द्वारा विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के लिए दाखिल आवेदनों की कुल राशि अगस्त में मासिक आधार पर 5.6 प्रतिशत बढ़कर 8.13 अरब डॉलर तक पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो वैश्विक पूंजी तक कंपनियों की बढ़ती पहुंच को दर्शाती है। जुलाई में यह आंकड़ा 7.69 अरब डॉलर था। अगस्त में दाखिल आवेदनों में कई प्रमुख कंपनियों की बड़ी उधारी मांग शामिल थी। इनमें फ्लिपकार्ट इंटरनेट ने तीन साल के लिए 1.14 अरब डॉलर का कर्ज आगे ऋण देने के लिए मांगा, जबकि पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) ने सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए चार साल नौ महीने की अवधि के लिए 77.5 करोड़ डॉलर का आवेदन दिया। इसी तरह, आरईसी और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने भी क्रमश: सामान्य कारोबारी जरूरतों और मौजूदा इकाइयों के विस्तार के लिए 50-50 करोड़ डॉलर की उधारी के इरादे दाखिल किए। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब आरबीआई ने विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ाने और देश की बाह्य स्थिति मजबूत करने के लिए जून में विशेष एफसीएनआर(बी) जैसी सुविधाएं शुरू की थीं। हालांकि, मजबूत प्रतिक्रिया के कारण एफसीएनआर(बी) सुविधा 31 अगस्त को समय से पहले बंद कर दी गई थी, लेकिन ईसीबी और विदेशी मुद्रा में परिवर्तनीय बॉन्ड सुविधा 31 दिसंबर तक खुली है, जिससे आगे भी पूंजी प्रवाह की उम्मीद है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शनिवार 31 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

निगम अमले ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 72 आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर निगम द्वारा आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी व एंटीरैबीज टीकाकरण की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। कार्यवाही के इसी क्रम में निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए 72 आवारा श्वानों को पकड़कर नसबंदी केन्द्रों में भेजा। निगम अमले ने नसबंदी उपरांत 81 श्वानों को वापस उसी स्थान पर छोड़ा। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार के निर्देष पर निगम के डाग स्क्वाड के दलों ने शुक्रवार को आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्यवाही करते हुए 24 श्वानों को कजलीखेड़ा स्थित एबीसी सेंटर भेजा जबकि 22 श्वानों को आदमपुर एबीसी सेंटर एवं 26 श्वानों को अरवलिया एबीसी सेंटर भेजने की कार्यवाही की। इस प्रकार निगम के डॉग स्क्वाड ने कुल 72 श्वानों को नसबंदी केन्द्रों में भेजा तथा नसबंदी उपरांत 81 श्वानों को वापस उसी स्थान पर छोड़ा गया। निगम के डाग स्क्वाड द्वारा आवारा श्वानों को पकड़ने की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 की मूल भावना के अनुरूप किसानों को मिल रही निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। राज्य सरकार द्वारा घोषित 'कृषक कल्याण वर्ष 2026' की मूल भावना के अनुरूप मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किसानों को निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा गया है। ग्रामीण परिवारों एवं किसानों के सशक्तिकरण के लिए अभिनव योजना के अंतर्गत मात्र ड़5 में स्थायी घरेलू एवं कृषि पंप विद्युत कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं। अब तक 2.56 लाख ग्रामीण उपभोक्ताओं को नवीन विद्युत कनेक्शन दिए जा चुके हैं, जिनमें 1.30 लाख कृषि पंप एवं 1.25 लाख घरेलू उपभोक्ता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त बीपीएल श्रेणी के 12,251 उपभोक्ताओं को भी मात्र 5 में बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। कंपनी द्वारा किसानों को सुगम एवं विश्वसनीय सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'स्वयं का ट्रांसफार्मर' (OYT) योजना का भी प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 1.50 लाख से अधिक कृषकों को लाभान्वित किया गया है। योजना के माध्यम से किसानों के कृषि पंपों के लिए अधिक विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कृषि क्षेत्र की विद्युत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्युत अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं उपभोक्ता सुविधाओं के विस्तार का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसका उद्देश्य किसानों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराकर उनकी सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना तथा ग्रामीण परिवारों को सरल एवं सुगम विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराना है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह की माताजी के निधन पर शोक व्यक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की माताजी स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई के निधन पर उनके पैतृक निवास ग्राम जैत पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्वर्गीय श्रीमती काशी बाई की अंतिम यात्रा में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनके परिजन को ढाढ़स बंधाया और श्रीमती काशी बाई के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं प्रकट कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्रीमती काशीबाई की अंतिम यात्रा में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा,लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल,भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल,नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह, विधायक रमाकांत भार्गव,विधायक सुदेश राय, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं विधायक सुरेंद्र पटवा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी ग्राम जैत पहुंचकर स्व.श्रीमती काशीबाई को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। स्व.श्रीमती काशीबाई का शुक्रवार को एम्स भोपाल में इलाज के दौरान देहांत हो गया था। उनका अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम जैत में किया गया।

पुलिस मुख्यालय द्वारा चार सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह अक्टूबर में सेवानिवृत्त चार कर्मचारियों को विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। विशेष पुलिस महानिदेशक ने सेवानिवृत कर्मचारियों को पौधे एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गये। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री सोलोमन यश कुमार मिंज सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त उप निरीक्षक अ.अ.वि. शाखा श्रीमती फायजा बानो, उप निरीक्षक महिला सुरक्षा शाखा उमराव सिंह, प्रधान आरक्षक (चालक) विशेष शाखा मुन्नीलाल अहिरवार तथा आरक्षक (अ) प्रबंध शाखा श्रीमती सुमित्रा थापा को पुलिस मुख्यालय परिवार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। सहायक पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती इरमीन शाह ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल की जानकारी दी। विदाई समारोह में मौजूद अधिकारियों ने सेवानिवृत कर्मचारियों की मेहनत और लगन की सराहना की।

मप्र के 19 धार्मिक नगरों में शराबबंदी, 2029 तक नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने गोटेगांव में श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर संबोधित किया



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सनातन संस्कृति, भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। श्रीमद्भागवत पुराण चारों वेदों, अठारह पुराणों और उपनिषदों के सार को समाहित करने वाला पवित्र ग्रंथ है। भागवत कथा मनुष्य को जीवन, मृत्यु, कर्म और सदाचार का वास्तविक अर्थ समझाती है। धर्म और अध्यात्म की इस अविरल धारा से जुड़ना हम सभी का सौभाग्य है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव शुक्रवार को गोटेगांव में पूज्य गोपीठाधीश्वर महंत श्री बिपिन बिहारी दास जी महाराज की उपस्थिति में यहाँ आयोजित श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनुष्य को परमात्मा ने जो जीवन और सांसें प्रदान की हैं, उनका सदुपयोग अच्छे कर्मों और श्रेष्ठ संस्कारों के लिए करना चाहिए। जन्म और मृत्यु परमात्मा की व्यवस्था का हिस्सा हैं। हमारी संस्कृति में मानव जीवन के कर्तव्यों और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं का गौरव विश्वभर में स्थापित हो रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परमपूज्य महाराजश्री के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सामाजिक बुराइयों को दूर करने और धार्मिक वातावरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश की 19 धार्मिक नगरों में शराबबंदी का निर्णय लिया है। सरकार का प्रयास है कि समाज को व्यसन और अन्य बुराइयों से मुक्त बनाने के लिए हरसंभव पहल की जाए। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध सफलता के बाद अब वर्ष 2029 तक ड्रग्स और नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया है, ताकि युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखा जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्याय मनुष्य को कर्म, कर्तव्य और जीवन को श्रेष्ठ मार्ग पर ले जाने की प्रेरणा देते हैं। इसी भाव से प्रदेश में गीता जयंती को व्यापक स्तर पर मनाने की पहल की गई है। गांवों के साथ नगरीय निकायों में भी गीता भवनों के निर्माण का संकल्प लिया गया है,ताकि धार्मिक,आध्यात्मिक और सामाजिक आयोजनों के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि मां नर्मदा की परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नर्मदा मिशन के माध्यम से परिक्रमा पथ का विकास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत परिक्रमवासियों के लिए विश्राम स्थल, घाट उन्नयन और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही मां नर्मदा के जल की शुद्धता बनाए रखने के लिए जल शुद्धीकरण की व्यवस्थाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में एक वृंदावन गांव विकसित करने की पहल की गई है। इन गांवों में देसी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन को प्रोत्साहित किया जाएगा।

मप्र के स्थापना दिवस पर सजेगा सुरों, संस्कृति और विकास का महाकुंभ



पार्श्व गायिका मोनाली ठाकुर और मामे खान की प्रस्तुतियां राज्योत्सव का होंगी आकर्षण

भोपाल। मध्य प्रदेश के 71वें स्थापना दिवस पर राजधानी भोपाल में संस्कृति, परंपरा, प्रतिभा और विकास का भव्य संगम देखने को मिलेगा। लाल परेड ग्राउंड में एक से तीन नवंबर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राज्योत्सव में प्रदेश की सात दशक से अधिक की विकास यात्रा, समृद्ध आध्यात्मिक विरासत, लोक एवं जनजातीय कलाओं और आधुनिक उपलब्धियों को एक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एक नवंबर को राज्योत्सव का शुभारंभ करेंगे। समारोह में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित पार्श्व गायिका मोनाली ठाकुर और राजस्थान के प्रसिद्ध लोक गायक मामे खान की प्रस्तुतियां प्रमुख आकर्षण होंगी। इस अवसर पर प्रदेश के 102 मेधावी विद्यार्थियों को एक-एक लाख रुपये की भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जबकि किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्रिज के 165 विजेताओं को 55 ट्रैक्टर, 55 बुलेट मोटरसाइकिल और 55 ई-स्कूटर दिए जाएंगे। 'विरासत से विकास के पथ की ओर अग्रसर प्रदेश' की थीम पर आयोजित यह उत्सव मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान, जनभागीदारी और विकास के संकल्प को रेखांकित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सुबह 11 बजे लाल परेड ग्राउंड में आधुनिक कृषि प्रदर्शनी, विकास दीर्घा, महिला उद्यमिता मंडप और देशज व्यंजन मेले का उद्घाटन करेंगे। शाम 6.30 बजे उनके मुख्य आतिथ्य में मुख्य सांस्कृतिक समारोह का शुभारंभ होगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में प्रतिदिन सुगम संगीत, लोक एवं जनजातीय प्रस्तुतियां,वाद्यवृंद, हस्तशिल्प, विकास प्रदर्शनियां और पारंपरिक व्यंजनों का मेला आयोजित किया जाएगा। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी के पूरे आयोजन को लेकर शुक्रवार बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह समारोह मध्य प्रदेश की गौरवशाली विकास यात्रा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। राज्योत्सव में शिक्षा और शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री 102 मेधावी विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति और प्रशस्ति-पत्र प्रदान करेंगे। संस्कृति विभाग के अंतर्गत श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा संचालित इस योजना में प्रत्येक चयनित विद्यार्थी को एक लाख रुपये की सम्मान राशि मिलेगी। उन्होंने पत्रकारों के बीच कहा कि जिलावार चयन में खंडवा जिले के सर्वाधिक छह विद्यार्थी शामिल हैं। अशोकनगर, बड़वानी, नर्मदापुरम, सिवनी, सिंगरौली और उमरिया से चार-चार विद्यार्थियों का चयन किया गया है। वहीं बुरहानपुर, छतरपुर, गुना, झाबुआ, कटनी, मऊगंज, सागर, सतना, श्योपुर और उज्जैन से तीन-तीन विद्यार्थी इस सम्मान के लिए चुने गए हैं। यह सम्मान विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने और युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने की पहल है। राज्योत्सव के दौरान किसान कल्याण स्वाभिमान पर्व क्रिज के 165 विजेताओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

इज्तिमा में आने वाली जमातों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर मिश्रा



भोपाल। ईटखेड़ी में 4 से 7 दिसंबर तक आयोजित होने वाले आलमी तब्लीगी इज्तिमा की तैयारियों को लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) पंकज पांडे ने शुक्रवार को आयोजन स्थल पर समीक्षा बैठक की। कलेक्टर ने अधिकारियों और आयोजन समिति को निर्देश दिए कि देश-विदेश से आने वाली जमातों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर मिश्रा ने पेयजल, निर्बाध बिजली, स्वच्छता, पहुंच मार्गों के सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे करने को कहा। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस और आयोजन समिति के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी दिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को खाद्य सामग्री और पेयजल की गुणवत्ता की जांच करने तथा चिकित्सकों और एम्बुलेंस की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक पंकज पांडे ने बताया कि इज्तिमा स्थल और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके तहत सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, भीड़ प्रबंधन और यातायात सुचारू रखने के लिए ट्रैफिक डायवर्जन योजना लागू की जाएगी।

प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग द्वारा वितरण केंद्र अमलाहा का निरीक्षण दिये आवश्यक निर्देश

राष्ट्रीय गरिमा समाचार सीहोर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने शुक्रवार को सीहोर वृत्त के अमलाहा वितरण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राजस्व संग्रहण, बकाया राशि की वसूली, उपभोक्ता सेवाओं, विद्युत वितरण ट्रांसफार्मरों के सर्वे, विद्युत चोरी पर प्रभावी नियंत्रण तथा विभिन्न मैदानी गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक श्री गर्ग ने कहा कि चालू माह एवं लंबित राजस्व वसूली के निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त किया जाए। बड़े बकायादारों से वसूली के लिए विशेष अभियान चलाएं तथा अद्यतन बकाया सूची तैयार रखें। लंबे समय से लंबित बकायादारों को चिह्नित कर नियमानुसार वसूली अथवा विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि कंपनी के राजस्व में निरन्तर वृद्धि के लिए मैदानी स्तर पर प्रभावी प्रयास किए जाएं। प्रबंध संचालक ने उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बिल संबंधी शिकायतों का अविलंब निराकरण करने तथा औसत एवं त्रुटिपूर्ण बिलों की समीक्षा कर वास्तविक खपत के अनुसार बिलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही डिफॉल्टर उपभोक्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी विद्युत विच्छेदन एवं वसूली की कार्रवाई करने तथा नियम विरुद्ध पुनर्संयोजित पाए जाने वाले मामलों में सख्त वैधानिक कदम उठाने को कहा। प्रबंध संचालक ने वितरण ट्रांसफार्मरों (डीटीआर) की जीआईएस एवं भौतिक मैपिंग तथा लोड बैलेंसिंग का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक डीटीआर से संबद्ध उपभोक्ताओं की टैगिंग की स्थिति अद्यतन रखी जाए। इसके साथ ही क्षेत्र के प्रत्येक घर का सर्वे कर अवैध कनेक्शनों को पकड़ कर संबंधित व?यक्ति को नियमित कनेक?शन देने तथा अनमीटर्ड कनेक्शनों का मीटरीकरण करने की कार्रवाई की जाए। उन?होंने निर्देशित किया कि कोई भी परिसर बिना वैध संयोजन के विद्युत उपयोग करता हुआ नहीं पाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं के आधार एवं मोबाइल नंबर का प्रमाणीकरण तथा ई-केवाईसी का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके लिए फील्ड स्टाफ के दैनिक लक्ष्य निर्धारित कर ई-केवाईसी की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सभी पत्राचार, फाइलों एवं नोटशीट को अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही प्रेषित करने तथा भौतिक फाइलों का चलन तत्काल बंद करने के निर्देश दिए।

निगम सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को उपायुक्त श्री हीरेन्द्र सिंह कुशवाह ने शॉल, श्रीफल एवं प्रमाण पत्र भेंटकर कर्मचारियों को दी बिदाई



राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। नगर पालिक निगम, भोपाल में अपनी सेवा अवधि पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को उपायुक्त श्री हीरेन्द्र सिंह कुशवाह ने शॉल, श्रीफल, प्रमाण पत्र व मिष्ठान आदि भेंटकर ससम्मान बिदाई दी और उनके दीर्घ एवं सुखमय जीवन की कामना भी की। निगम मुख्यालय ''अटल भवन'' के सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित बिदाई समारोह में उपायुक्त श्री हीरेन्द्र सिंह ने निम्न श्रेणी लिपिक श्री अब्दुल असद, सुपरवाइजर श्री अशोक कुमार एवं श्रमिक श्री बिहारी लाल को शॉल, श्रीफल, प्रमाण पत्र व मिष्ठान आदि भेंटकर ससम्मान बिदाई दी और उनके दीर्घ एवं सुखमय जीवन की कामना भी की। बिदाई समारोह में नगर निगम, भोपाल सेवानिवृत्त अधिकारी/कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ. शमीम कुरैषी, सचिव श्री रामसिंह राठौर के अलावा श्री हसन तैय्यब, श्री ओ.पी. सक्सेना, श्री अनवर मेव सहित निगम के अन्य कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि व ब?ी संख्या में निगम के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद थे।

ई-संजीवनी सेवाओं को प्रभावी बनाने के लिए कमियों को करें दूर : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

राजेंद्र शुक्ल ने समीक्षा कर सेवाओं की निरंतरता और जन-जागरूकता के दिए निर्देश



भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय में ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश में टेलीमेडिसिन सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-संजीवनी ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और मरीजों को समय पर उचित परामर्श उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ई-संजीवनी के माध्यम से नागरिकों को सहज, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक अधोसंरचना, इंटरनेट कनेक्टिविटी, विद्युत आपूर्ति एवं उपकरणों की उपलब्धता के साथ स्वास्थ्यकर्मियों का समुचित प्रशिक्षण सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने इन कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने तथा सेवाओं के संचालन में आने वाली बाधाओं का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए। समीक्षा में अप्रैल से सितंबर 2026 की अवधि में ई-संजीवनी के माध्यम से दर्ज 59,914 सामान्य परामर्श कॉल तथा 10,890 विशेषज्ञ परामर्श कॉल की जानकारी प्रस्तुत की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने टेलीमेडिसिन सेवाओं के उपयोग में वृद्धि के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं को सक्रिय करने, चिकित्सकों की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने और निर्धारित समय-सारणी के अनुसार परामर्श सेवाओं का संचालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन केंद्रों पर चिकित्सकों की उपलब्धता और परामर्श सेवाओं की नियमितता सुनिश्चित की जाए,ताकि मरीजों को सेवा प्राप्त करने के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। इसके साथ ही,सेवाओं के संचालन एवं प्रगति की नियमित निगरानी कर निष्क्रिय केंद्रों को पुनः सक्रिय करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। समीक्षा के दौरान अगस्त-सितंबर 2025 में किए गए सुविधा तत्परता आकलन (फैसिलिटी रेडीनेस असेसमेंट) के निष्कर्षों पर भी चर्चा की गई। आंकलन में इंटरनेट कनेक्टिविटी, विद्युत आपूर्ति एवं प्रशिक्षण से संबंधित कमियां प्रमुखता से सामने आईं। कुल 2,723 उप स्वास्थ्य केंद्र ऐसे चिन्हित किए गए, जहां केवल एक मूलभूत सुविधा की कमी है।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह में मध्यप्रदेश पुलिस की व्यापक पहल

राज्यभर में स्कूल से कॉलेज, गांवों से शहरों तक पहुंचा साइबर सुरक्षा का संदेश

भोपाल। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता के अवसर पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा माह अक्टूबर में साइबर अपराधों की रोकथाम और नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करने के लिए प्रदेशव्यापी अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्तरों पर जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित कर नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, इंटरनेट एवं डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराध होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने के संबंध में जानकारी दी गई। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अभियान को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ते हुए संभाग,जोन, जिला, तहसील, अनुभाग, थाना एवं ग्राम स्तर तक साइबर जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं। स्कूल-कॉलेज, तकनीकी संस्थान,पंचायत,स्वास्थ्य केंद्र, अस्पताल, बैंक, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार, पेट्रोल पंप, शासकीय कार्यालय और धार्मिक स्थलों सहित बड़ी संख्या में सार्वजनिक स्थानों को अभियान से जोड़ा गया। अभियान के दौरान नागरिकों को साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करने तथा राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया गया। राज्य साइबर पुलिस द्वारा तैयार साइबर जागरूकता स्टेण्डी विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर लगाई गईं, ताकि नागरिकों को साइबर अपराध की रिपोर्टिंग के लिए उपलब्ध आधिकारिक माध्यमों की जानकारी आसानी से मिल सके। अभियान की सभी प्रमुख गतिविधियों का प्रचार-प्रसार किया गया। प्रदेश के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, तकनीकी संस्थानों एवं लाइब्रेरी में व्याख्यान,कार्यशालाएं, सेमिनार, क्विज, शपथ, पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिताएं सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों एवं युवाओं को साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म का सावधानीपूर्वक उपयोग करने के संबंध में जागरूक किया गया। साइबर सुरक्षा संबंधी फोटो, वीडियो, ऑडियो, बैनर, पेम्पलेट, एडवायजरी, पॉडकास्ट एवं इंटरव्यू का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। पुलिस एवं विभिन्न शासकीय विभागों के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के साथ स्थानीय सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स एवं प्रसिद्ध व्यक्तियों को भी अभियान से जोड़ा गया।